mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-69 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
12 मार्च 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पीएम मोदी कोच्चि में धीवर सभा के स्वर्ण जयंती समारोह में पहुंचे

बाले :केरल को मलयाली नाम मिला इसकी खुशी चेहरों पर दिख रही

राज्य में करीब 11 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

चेन्नई/कोच्चि, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को केरलम (केरल) के कोच्चि में अखिल केरल धीवर सभा के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर मोदी ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य का नाम केरल से बदलकर 'केरलम' किए जाने का फैसला मलयाली लोगों के लिए खुशी का पल है।

प्रधानमंत्री ने कहा- आप सब सालों से केरल का नाम बदलने की मांग कर रहे थे। मेरे मलयाली भाइयों और बहनों का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मलयाली संस्कृति के अनुसार इस खूबसूरत राज्य को उसका उचित नाम मिला है।

पीएम केरल के एर्नाकुलम में करीब 10,800 करोड़ और तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में करीब 5,650 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उसके बाद अलग-अलग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स जनता को सौंपे।

ये प्रोजेक्ट्स एनर्जी, हाईवे, रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर, रेलवे और दूसरे सेक्टर से जुड़े हैं। इसके बाद, दोपहर करीब 2:15 बजे, मोदी केरल के एर्नाकुलम में होने वाली NDA की रैली को एड्रेस किया।

इसके बाद पीएम तमिलनाडु जाएंगे। यहां शाम लगभग 5:45 बजे, प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलानयास किया।

पीएम बोले- NDA केरल के युवाओं की उम्मीदों को पूरा करेगा

प्रधानमंत्री ने अपने दौरे से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में कहा कि मछुआरों की भलाई के लिए इस बॉडी ने जो काम किया है, वह काबिले-तारीफ है।

उन्होंने लिखा कि NDA का गुड गवर्नेंस एजेंडा LDF और UDF दोनों की लूट और कुशासन के मुकाबले सबसे ऊंचा है। NDA डेवलपमेंट वाली पॉलिटिक्स पर फोकस करेगा और केरल के युवाओं की उम्मीदों को पूरा करेगा।

मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल स्टेटस देने की मंजूरी :पीएम को दौरे से पहले मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट घोषित करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह अपग्रेड इस क्षेत्र के लोगों की उम्मीदों को दिखाता है और इससे मदुरै के विकास की संभावनाओं में काफी बदलाव आएगा।

वैष्णव ने कहा कि तमिलनाडु के तीन सबसे बड़े शहर चेन्नई, कोयंबटूर और मदुरै हैं। लोग यहां एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट चाहते हैं। यह फैसला मदुरै और तमिलनाडु के पूरे विकास में एक बड़ा बदलाव होगा।

देशभर में एलपीजी की किल्लत, एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें

- यूपी-बिहार में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बंट रहे, राजस्थान में कालाबाजारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में स्क्का की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। घंटों इंतजार कर रहे हैं, ल`कि न सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। वजह- सिलेंडर कम हैं और लेने वालों की संख्या ज्यादा।

दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है।

मध्य प्रदेश: कैटरर्स बोले- ये इमरजेंसी जैसी स्थिति : कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई ठप होने से सबसे ज्यादा संकट होटल-रेस्टॉरेंट पर है। वहीं घरेलू रसोई गैस लेने के लिए गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी है।

उत्तर प्रदेश: पुलिस सुरक्षा में बंट रहे सिलेंडर :उत्तर प्रदेश में बुकिंग के 4 से 5 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें लगने लगी हैं। गोरखपुर-सिद्धार्थनगर में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बांटे जा रहे हैं।

एजेंसियों पर तड़के 3 बजे से ही लोग लाइन लगाने पहुंच रहे हैं।

बिहार: लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंच रहे : यहां भी 2 दिन से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग बंद है। इस वजह से होटल,रेस्टॉरेंट पर असर पड़ा है। घरेलू गैस को लेकर भी राज्य के कई जिलों में लोगों की लंबी कतार दिखी। गोपालगंज, खगड़िया, औरंगाबाद, पटना समेत कई जिलों में लोग सुबह से ही गैस एजेंसी पहुंचने लगे। कई एजेंसियों में ताला लटका है। कोई कर्मचारी भी यहां मौजूद नहीं हैं।

राजस्थान: 1900 रुपए का सिलेंडर 2500 रुपए में बेचा जा रहा :कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बिल्कुल बंद हो गई है। ऐसे में अलग-अलग एजेंसी तय दाम से ज्यादा में सिलेंडर की कालाबाजारी कर रही है। जयपुर में 1911 रुपए में मिलने वाला सिलेंडर 2500 रुपए तक में बेचा जा रहा है।

संकट से निपटने सरकार ने 5 जरूरी कदम उठाए

1. **हाई-लेवल कमेटी बनाई :** संकट को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय ने तीन तेल कंपनियों के कार्यकारी निदेशकों की एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है, जो सप्लाई की समीक्षा करेगी।
2. **एसेंशियल कमोडिटी एक्ट लागू :** गैस की सप्लाई को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने देशभर में 'एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955' लागू कर दिया है।
3. **25 दिन बाद होगी LPG बुकिंग :** घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 25 दिन बाद ही बुक होगा।
4. **OTP और बायोमेट्रिक अनिवार्य :** गैस की जमाखोरी रोकने के लिए डिलीवरी एजेंट OTP या बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन का सख्ती से इस्तेमाल कर रहे हैं।
5. **LPG उत्पादन बढ़ाने का आदेश :** सरकार ने सभी ऑयल रिफाइनरीज को LPG उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया था। सूत्रों का कहना है कि अब उत्पादन 10% बढ़ गया है।

आसाराम ने रामलला का वीआईपी दर्शन किया

अति विशिष्ट शंकराचार्य द्वार से 3 वाहनों के काफिले के साथ पहुंचा, हनुमानगढ़ी की सीढ़ियां नहीं चढ़ सका

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या पहुंचे नाबालिग से रेप केस में सजायफ्ता आसाराम ने बुधवार को रामलला का दर्शन किया। 3 वाहनों का काफिला आदि शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर के अंदर पहुंचा। उसे विशिष्ट मेहमान की तरह रामलला का दर्शन कराया गया। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियां अधिक होने के कारण वे वहां दर्शन करने नहीं जा सका। राममंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल जी ने आसराम को राम मंदिर के बारे में बताया। मंदिर निर्माण की जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला का दर्शन किया। इस दौरान रामलला की मोहिनी सूरत को अपलक निहारता रहा। मंदिर के सोने के दरवाजों और दीवारों पर उकेरी गई कलाकृतियों सहित मंदिर की भव्यता को निहारा। करीब 30 मिनट तक राममंदिर में बिताने के लक्ष्मण किला वापस आ गया। अयोध्या के बाद उसका अगला पड़ाव क्या होगा, इसकी जानकारी देने से सेवादार बच रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने महिला कर्मचारियों को दी बड़ी राहत, ऑफिस आने-जाने का समय सुविधानुसार बदल सकेंगी

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (MMR) में काम करने वाली महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए एक लचीला ऑफिस टाइम पहल की घोषणा की। इसके तहत महिला कर्मचारी जल्दी ऑफिस आकर, जल्दी घर जा सकेंगी। इससे महिला कर्मचारी भीड़भाड़ वाले समय में यात्रा करने से बच सकेंगी। पहले डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने विधान परिषद में बताया कि बीएमसी में काम करने वाली महिला कर्मचारियों को इस पहल का फायदा मिलेगा। इससे पहले दिन में, डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुनेत्रा पवार ने लेजिस्लेटिव काउंसिल में कहा कि बाद में जारी एक सरकारी प्रस्ताव (GR) के अनुसार, पूरे मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (एमएमआर) में काम करने वाली महिला सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए फ्लेक्सिबल ऑफिस टाइमिंग की इजाजत होगी। एमएमआर में मुंबई और इससे सटे जिले शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि महिला कर्मचारी सुबह 9.15 बजे से 9.45 बजे के बीच ऑफिस आ सकती हैं और उन्हें शाम को उसी समय के हिसाब से जल्दी निकलने की इजाजत होगी।

एअर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला

नोज गियर टूटा; थाइलैंड में हार्ड लैंडिंग, 133 लोग सवार थे

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट बुधवार दोपहर लैंडिंग के दौरान हादसे का शिकार हो गई। विमान के रनवे पर उतरते ही उसका नोज गियर टूट गया और आगे का पहिया अलग हो गया। फ्लाइट हैदराबाद से फुकेट जा रही थी। थाई अखबार द नेशन के मुताबिक घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे बंद करना पड़ा, हालांकि विमान में सवार सभी 133 यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह फ्लाइट तय समय से पहले फुकेट पहुंच गई थी। विमान का निर्धारित लैंडिंग का समय सुबह 11:40 था, लेकिन यह 11:24 बजे ही उतर गया। बताया जा रहा है कि विमान की लैंडिंग काफी तेज हुई, जिसकी वजह से उसके आगे वाले लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा। पहिया अलग हो जाने की वजह से विमान तुरंत रनवे से हटाया नहीं जा सका।

एअर इंडिया बोला- नोज व्हील में दिक्कत आई : एयरपोर्ट अधिकारियों ने स्थिति को जल्दी काबू में कर लिया। विमान में सात क्रू सदस्य, 131 यात्री और दो बच्चे सवार थे।

राहुल बोले- पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं, हमें बोलने से रोका गया

रविशंकर प्रसाद ने कहा- कभी नहीं; सदन में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी और विपक्ष पर कई आरोप लगाए। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि हम जब भी बोलने को होते हैं हमे रोका-टोका जाता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया। हर समय हमें बोलने से रोका गया।

राहुल ने कहा कि आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया था। सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया। पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल के इतना बोलने पर रविशंकर

प्रसाद ने कहा- नेवर...नेवर। पीएम मोदी का भारत कभी कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं होगा। इनको बेसिक समझदारी भी नहीं है। स्पीकर ने कई बार चेयर घेरी गई, कागज फेंके गए, लेकिन वह मुस्कराते रहे।संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज का तीसरा दिन ।

सिब्बल बोले- सरकार ने दूर की सोच नहीं दिखाई

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा- अगर अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही, तो बहुत दिक्कत होगी। इसका असर कई सेक्टर पर पड़ेगा, इसलिए केंद्र सरकार ने सही काम किया है कि पहले कंज्यूमर्स (घरेलू) को गैस मिले और फिर इंडस्ट्रीज को। सरकार को दूर की सोच दिखानी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

लोकसभा में स्पीकर के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा ।

ईरान ने इजराइल पर सबसे बड़ा हमला शुरू किया

- अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, रिपोर्ट- गूगल-अमेजन ऑफिस पर हमला हो सकता है

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 12वां दिन है। ईरान ने दावा किया है कि उसने इजराइल के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा हमला शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने इजराइल और मिडिल ईस्ट में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

ईरानी मीडिया की एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बना सकता है। संभावित टारगेट की सूची में गूगल, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, IBM और ओरेकल जैसी कंपनियों के नाम बताए गए हैं।

इजराइल, दुबई और अबू धाबी में मौजूद इन कंपनियों के ऑफिस और डेटा सेंटर भी निशाने पर हो सकते हैं। इस बीच NSC आज एक प्रस्ताव पर वोटिंग करने वाली है। इसमें ईरान से कहा गया है कि वो बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, UAE और जॉर्डन पर हमले बंद करे।

इजराइली हमलों के बाद लेबनान में 7.8 लाख लोग बेघरलेबनान में इजराइल के हमले शुरू होने के बाद से करीब 7.80 लाख लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। यह जानकारी लेबनान के सामाजिक मामलों के मंत्रालय ने दी है।

सरकार के मुताबिक इनमें से लगभग 1 लाख 20 हजार लोग सरकारी राहत शिविरों में रह रहे हैं। इसी बीच हृ ने मंगलवार को सीमा के पास स्थित अल्मा अश-शाब शहर से अपने कर्मचारियों को हटा लिया। यह शहर इजराइल बॉर्डर के पास है और यहां ज्यादातर ईसाई समुदाय के लोग रहते हैं।

दावा-सैटेलाइट से अमेरिकी लोकेशन ट्रैक कर रहा था चीन

ईरान पर पहली मिसाइल गिरने से पहले ही चीनी कंपनी ने दी थी हमले की जानकारी

बीजिंग,एजेंसी। 28 फरवरी को ईरान पर पहली मिसाइल चलने से पहले ही चीनी सोशल मीडिया पर संकेत मिलने लगे थे कि अमेरिका बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है। इंटरनेट पर अमेरिकी सैन्य तैयारियों से जुड़ी

सैटेलाइट तस्वीरें तेजी से फैलने लगी थीं। इन तस्वीरों में रनवे पर खड़े लड़ाकू विमान, रेगिस्तानी एयरफील्ड पर उतरते ट्रांसपोर्ट प्लेन और भूमध्यसागर में किसी विमानवाहक पोत के डेक पर तैनात फाइटर जेट दिखाई दे रहे थे। इन तस्वीरों की खास बात यह थी कि इनमें असामान्य रूप से बहुत ज्यादा जानकारी दी गई थी और यह जानकारी अंग्रेजी में नहीं बल्कि मंदारिन (चीनी भाषा) में लिखी हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तस्वीरों में अलग-अलग विमानों के नाम बताए गए थे, मिसाइल रक्षा सिस्टम को साफतौर पर चिह्नित किया गया था और सैनिकों की तैनाती को सटीक लोकेशन के साथ दिखाया गया था।

चीनी एआई कंपनी ने शेयर की थीं तस्वीरें : इन सैटेलाइट तस्वीरों को एक चीनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ने ऑनलाइन साझा किया था। एक तस्वीर में इजराइल के ओवदा एयरबेस पर लॉकहीड मार्टिन के स्न-22 स्टेल्थ फाइटर खड़े दिखाई दे रहे थे। दूसरी तस्वीर में सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर विमानों और सपोर्ट सिस्टम की बढ़ती तैनाती दिखाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी

13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं।

देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने एम्स (AIIMS) को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे।

पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया।

हरीश हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे थे, तब से बिस्तर पर : दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न

ही महसूस कर सकते हैं।

डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लाइफ सपोर्ट हटाने का निर्णय दो आधारों पर होना चाहिए :

यह हस्तक्षेप चिकित्सा उपचार की श्रेणी में आता हो। यह मरीज के सर्वोत्तम हित में हो। अदालत ने यह भी कहा कि डॉक्टर का कर्तव्य मरीज का इलाज करना है, लेकिन जब मरीज के ठीक होने की कोई संभावना न हो, तो यह कर्तव्य उसी रूप में कायम नहीं रहता।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कानून बनाने को कहा :सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पैसिव यूथेनेशिया पर कानून बनाने पर विचार करने का भी कहा। फिलहाल भारत में यह केवल सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के आधार पर ही संभव है, जिसमें मरीज की स्थिति पर दो मेडिकल बोर्ड की राय जरूरी होती है। बेटे की देखभाल के लिए माता-पिता की सराहना की फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राणा के माता-पिता का विशेष उल्लेख किया। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने सालों तक अपने बेटे की निस्वार्थ देखभाल की। उनका परिवार कभी भी उनके साथ से नहीं हटा।

यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने लाइफ सपोर्ट हटाने की 2 वजह बताई : जस्टिस पारदीवाला ने फैसला सुनाते वक्त अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, 'ईश्वर मनुष्य से यह नहीं पूछते कि वह जीवन स्वीकार करता है या नहीं, उसे जीवन लेना ही पड़ता है।'

उन्होंने विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक हेलमेट की पंक्ति 'To be or not to be' का भी जिक्र करते हुए कहा कि अदालतों को कई बार इसी तरह के प्रश्नों के संदर्भ में 'मरने के अधिकार' पर विचार करना पड़ता है।

निहाल विहार क्लस्टर बस दुर्घटना: डीटीसी ने जांच समिति बनाई, दो की मौत के बाद सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। डीटीसी ने पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में एक क्लस्टर बस से हुई दुर्घटना की जांच के लिए एक समिति बनाई है। समिति जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

डीटीसी ने एक बयान में कहा कि सोमवार को हुए दुर्घटना के बाद बस आपरेटरों को ड्राइवरों के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करने और परिवहन तथा यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। दोषी बस के आपरेटर को एक नोटिस जारी किया गया है, जिसमें दुर्घटना में शामिल ड्राइवर की सर्विस तुरंत खत्म करने और अन्य सभी उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। नजफगढ़-नांगलोई रोड पर हुए दुर्घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी क्योंकि निवासी और परिवार के सदस्य विरोध में मौके पर जमा हो गए। उनका आरोप था कि दो डीटीसी बसें, जिनमें लगभग 10 यात्री सवार थे, एक-दूसरे से रेस कर रही थीं। दुर्घटना के बारे में एक रिपोर्ट में डीटीसी ने कहा कि नजफगढ़-नरेला रूट पर एक क्लस्टर बस सोमवार सुबह करीब 9.35 बजे हुई दुर्घटना में शामिल थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बस बवाना डिपो-5 की थी और इसे इंटैक्ट मोटर्स चलाती है। यातायात पुलिस के मुताबिक 2024-25 में 41 जानलेवा दुर्घटनाओं सहित डीटीसी और क्लस्टर बसें 150 सड़क दुर्घटनाओं में शामिल रही हैं। डीटीसी ड्राइवरों से जुड़े सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस हर बुधवार को पंजाबी बाग के ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क आडिटोरियम में खास तौर पर डीटीसी ड्राइवरों के लिए एक दिन का सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम करती है। यातायात पुलिस ने बताया कि हर हफ्ते 200 से ज़्यादा ड्राइवरों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस की साइबर क्राइम डिवीजन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जो सोशल मीडिया पर महिलाओं की फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठते थे। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को इस कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह गिरोह सोशल मीडिया पर फर्जी महिला प्रोफाइल बनाकर लोगों से दोस्ती करता था और बाद में उन्हें धमकी देकर पैसे वसूलता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी वॉइस चेंजिंग सॉफ्टवेयर और एआई तकनीक का इस्तेमाल कर खुद को महिला के रूप में पेश करते थे।

हस्तसाल पुनर्वासित कॉलोनी में अवैध निर्माणों पर निगम का एक्शन जारी, कई घरों को नोटिस

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। उत्तम नगर थाना क्षेत्र स्थित हस्तसाल पुनर्वासित कॉलोनी के ऐसे घर जहां नियमों को ताक पर रखकर विस्तार किया गया है, उस पर निगम का हथौड़ा चल रहा है। इसकी शुरुआत आठ मार्च को तरुण हत्याकांड से जुड़े मुख्य आरोपित के घर से हुई थी। पुलिस की मौजूदगी में निगम दस्ते ने आरोपित की इमारत के अवैध हिस्से को ढहा दिया। निगम अधिकारी इसे रूटीन की कार्रवाई बताते हुए कहते हैं कि यह सिलसिला अभी जारी रहेगा। हमलोगों ने सर्वे का ऐसे संपत्ति मालिकों को नोटिस भेजने का काम शुरू कर दिया है। नोटिस जारी होने के बाद ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। निगम ने फिलहाल तीन इमारतों को चिन्हित किया है। नोटिस में बताया गया है कि इमारत में कहां और किस हिस्से का अवैध विस्तार किया गया है। सूत्रों का कहना है कि तीनों ही इमारत उसी ब्लाक के हैं, जिसमें तरुण का घर है।

सीलिंग की भी हो रही कार्रवाई: निगम ने ऐसी इमारतों को सील करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, जिसमें अवैध रूप से रंगाई का काम होता है। निगम अधिकारियों का कहना है कि ए ब्लॉक में तीन संपतियों को सील किया गया है। तीनों ही जगह रंगाई का अवैध काम होता था।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला एयरोड्रम लाइसेंस, जल्द शुरू होंगी उड़ानें

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत पश्चिम उत्तर प्रदेश के सपनों को पंख देने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे से विमान जल्द उड़ान भरेंगे। एयरपोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एयरोड्रोम लाइसेंस प्रस्तुत किया। अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और उड़ानों की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी। जेवर में विकसित किया जा रहा यह एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ेगा। यहां दस एयरोब्रिज और 28 विमान पार्किंग स्टैंड की व्यवस्था होगी। रनवे पर प्रति घंटा लगभग 30 उड़ानों के संचालन की क्षमता विकसित की गई है। एयरपोर्ट पर स्विस तकनीक और भारतीय आतिथ्य भी दिखेगा। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से मिलकर परियोजना की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी दी। एयरपोर्ट का एयरोड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम ब्यूरो आफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के पास समीक्षा के लिए लंबित है। मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन उद्घाटन और वाणिज्यिक संचालन की तिथि तय करेगा। एयरपोर्ट के पहले चरण में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल भवन बनाया गया है, जिसकी क्षमता प्रतिवर्ष लगभग 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी। दूसरे चरण में क्षमता तीन करोड़ यात्रियों तक पहुंचाई जाएगी। तीसरे और चौथे चरण में विस्तार के बाद कुल क्षमता सात करोड़ यात्रियों तक पहुंच जाएगी। पहले चरण में टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल लगभग 1.38 लाख वर्गमीटर है, जिसमें 48 चेक इन काउंटर, नौ सुरक्षा जांच लेन और नौ इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं। आधुनिक कार्गो और लाजिस्टिक्स हब भी तैयार होगा। प्रारंभिक चरण में इसकी क्षमता लगभग 2.5 लाख टन कार्गो प्रतिवर्ष होगी, जिसे 15 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा। यात्रियों के लिए डिजियात्रा आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली, सेल्फ बैगेज ड्राप और डिजिटल पैसेंजर प्रोसेसिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा रहीं हैं। एयरपोर्ट के लिए नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य है। परिसर में सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग जैसी सुविधाएं भी होंगी। एयरपोर्ट शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर में हवाई यातायात का दबाव कम होगा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में निवेश, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

भूप्पी राणा की हत्या की साजिश, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 8 आरोपियों पर अदालत में आरोप तय

चंडीगढ़, एजेंसी। जिला अदालत में पेशी के दौरान गैंगस्टर भूप्पी राणा की हत्या की साजिश रचने के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े आठ आरोपियों के खिलाफ अदालत ने आरोप तय (चार्ज फ्रेम) कर दिए हैं। अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं, जिसके बाद सभी के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए गए। जिन आरोपियों पर आरोप तय किए गए हैं, उनमें कैलाश चौहान उर्फ टाइगर, उमंग, परविंदर सिंह उर्फ पिंडू, अनमोलप्रीत सिंह, माया कशिश उर्फ पूजा शर्मा, बलजीत सिंह और सनी मंछंदा समेत कुल आठ आरोपी शामिल हैं।

सेक्टर-36 थाना पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 201, 419 और 471 के अलावा आर्म्स एक्ट की धारा 25, 54 और 59 तथा गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 17, 18, 18-बी और 20 के तहत केस दर्ज किया था। चार्जशीट दाखिल होने के बाद अब अदालत द्वारा आरोप तय किए जाने के साथ ही मामले में ट्रायल की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आगामी सुनवाई में अभियोजन पक्ष अपने गवाह और साक्ष्य अदालत में पेश करेगा। मामले के अनुसार 26 फरवरी 2024 को क्राइम ब्रांच के तत्कालीन प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक कुमार को सूचना मिली थी कि न्यायालय परिसर के पास दो युवक पंजाब नंबर की स्कूटी पर अवैध हथियार के साथ घूम रहे हैं और पेशी के दौरान किसी गैंगस्टर की हत्या की साजिश में शामिल हो सकते हैं। सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इंस्पेक्टर अशोक कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने रात करीब 11ः45 बजे नाका लगाकर दो शूटरों–सनी उर्फ सचिन उर्फ मैडी मंछंदा और उमंग–को हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि कैलाश चौहान उर्फ टाइगर उनकी मदद कर रहा था और वे गैंगस्टर भूप्पी राणा को अदालत में पेशी के दौरान मारने की योजना बनाकर आए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी वकील की ड्रेस पहनकर कोर्ट परिसर में प्रवेश करने और हत्या को अंजाम देने की फिराक में थे।

तलाशी के दौरान उनके पास से पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कैलाश चौहान उर्फ टाइगर, अनमोलप्रीत, परविंदर, माया उर्फ कशिश और बलजीत को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के निर्देश पर भूप्पी राणा की हत्या की साजिश में शामिल थे।

दिल्ली पुलिस का ड्रग्स माफिया पर बड़ा प्रहार, 17 हजार किलो नशीले पदार्थ बरामद

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की पुलिस ने ड्रग्स माफिया के खिलाफ विशेष अभियान में 17 हजार किलोग्राम से ज्यादा नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। ड्रग्स माफिया के खिलाफ 5467 एफआइआर दर्ज की गई और अब तक 2640 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा ड्रग्स तस्करों की संपत्तियों को गिराने के लिए 29 संयुक्त अभियान भी चलाए। यह जानकारी मंगलवार को लोकसभा में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी की ओर से पूछे एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

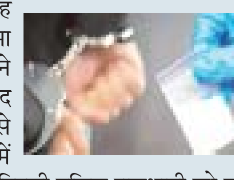

बिधूड़ी ने पूछा था कि क्या दिल्ली पुलिस राजधानी को नशामुक्त बनाने के लिए ड्रग माफिया के खिलाफ कोई विशेष अभियान चला रही है। उन्होंने यह भी पूछा था कि इस संबंध में कितनी एफआईआर की गई, कितनी गिरफ्तारियां की गई, कितने मादक पदार्थ बरामद हुए और ड्रग माफिया की कितनी प्रापर्टी को बुलडोजर से ढहाया गया। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने 'आपरेशन कवच' शुरू किया है। 13 मई 2023 से इस साल 23 जनवरी तक दिल्ली पुलिस ने ड्रग माफिया के खिलाफ कुल 12 ऐसे विशेष अभियान चलाए हैं। इनमें 9,694 स्थानों पर छापेमारी करके ड्रग्स बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इन अभियानों के साथ ही दिल्ली पुलिस ने 2023 से 15 फरवरी 2026 तक ड्रग्स से संबंधित कुल मिलाकर 5,467 एफआइआर दर्ज की हैं और 7,134 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 17,435 किलोग्राम नशीले पदार्थ पकड़े गए, जिनमें चरस, अफीम, गांजा, स्मैक, हेरोइन, खसखस और कोकीन आदि शामिल हैं। बिधूड़ी के सवाल के जवाब में गृह राज्यमंत्री ने यह भी बताया कि दिल्ली पुलिस ने इस दौरान ड्रग्स माफिया की कोई प्रापर्टी तो जब्त नहीं की लेकिन स्थानीय निकायों के साथ मिलकर ड्रग्स तस्करों की संपत्तियों को ढहाने के लिए 29 संयुक्त अभियान चलाए हैं।

होर्मुज में तेल सप्लाई रोकी तो ईरान पर 20 गुना ज्यादा ताकत से करेंगे हमला

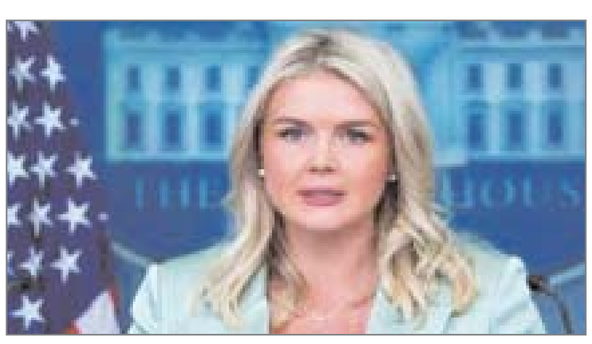

वॉशिंगटन, एजेंसी। बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल और सामान की आवाजाही रोकने की कोशिश करता है तो उसे भारी सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका का कहना है कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि दुनिया के इस अहम समुद्री रास्ते को बंद नहीं होने दिया जाएगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अभी तक अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले किसी भी तेल टैंकर या जहाज को एस्कॉर्ट नहीं किया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना यह कदम उठा सकती है। अमेरिका ने साफ किया कि समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना उसकी प्राथमिकता है।

ईरान को अमेरिका ने क्या सख्त संदेश दिया : व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल या सामान की आवाजाही रोकने की कोशिश की तो उसे अब तक से 20 गुना ज्यादा ताकतवर जवाब दिया जाएगा। अमेरिका ने कहा कि उसकी सेना और सहयोगी देश इस समुद्री रास्ते को खुला रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

क्या होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसेना ने टैंकर को एस्कॉर्ट किया : कैरोलिन लेविट ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में यह दावा किया गया था कि अमेरिकी नौसेना ने एक तेल टैंकर को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकाला है। लेकिन व्हाइट हाउस ने इस दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसा कोई अभियान नहीं चलाया गया है। हालांकि अगर हालात बिगड़ते हैं तो अमेरिकी नौसेना जहाजों की सुरक्षा के लिए आगे आ सकती है।

तेल बाजार को लेकर अमेरिका ने क्या कदम उठाए : व्हाइट हाउस ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले टैंकरों को राजनीतिक जोखिम बीमा देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही अमेरिका ने कुछ तेल से जुड़े प्रतिबंधों में अस्थायी छूट भी दी है ताकि वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बनी रहे। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि तेल और गैस की कीमतों में हाल में जो बढ़ोतरी हुई है वह अस्थायी है और जल्द ही हालात सामान्य हो सकते हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य इतना अहम क्यों है : होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है। यह फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। अगर यहां आवाजाही रुकती है तो पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट और तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है।

स्विट्ज़रलैंड में बर्न के पास बस में लगी आग

जिनेवा, एजेंसी। स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पास एक दर्दनाक हादसे में क्षेत्रीय बस में आग लगने से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के मुताबिक यह हादसा मंगलवार शाम बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम स्थित केरजर्स कस्बे में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी बस उसकी चपेट में आ गई। फ्रिबर्ग कैंटन के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि शुरुआती जांच में इस घटना के पीछे किसी स्वैच्छिक कृत्य की आशंका जताई जा रही है।

हालांकि मामले की पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। क्षेत्रीय सरकार ने एक बयान में कहा कि जब बचाव दल मौके पर पहुंचे तो बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी हुई थी और अंदर मौजूद लोगों को बचाना बेहद मुश्किल हो गया था।

घायलों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया : पुलिस के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इसके अलावा दो अन्य लोगों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। यह हादसा मंगलवार शाम बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम स्थित केरजर्स कस्बे में हुआ।

राष्ट्रीय डाक सेवा से जुड़ी कंपनी की बस : जिस बस में आग लगी वह पोस्टबस द्वारा संचालित क्षेत्रीय परिवहन बस थी। यह कंपनी स्विट्जरलैंड की राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है और कई क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं देती है। पुलिस और जांच एजेंसियां फिलहाल घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हैं।

अधिकारियों का कहना है कि बस में आग कैसे लगी और इसके पीछे किसी की साजिश है या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

कपासन में रूह कंपा देने वाली वारदात, मां ने दो मासूमों को कुएं में फेंका, फिर ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

कपासन (चित्तौड़गढ़), एजेंसी। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां ने अपने दो मासूम बच्चों की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। कपासन थाना क्षेत्र के काछियाखेड़ी गांव में मंगलवार शाम एक महिला ने पहले अपने 5 साल और 4 महीने के बेटों को कुएं में फेंक दिया और फिर खुद ट्रेन के आगे कूद गई। घटना की सूचना मंगलवार शाम करीब 7 बजे मिली। कपासन पुलिस के अनुसार, उदयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस की चपेट में आने से काछियाखेड़ी रेलवे पुलिया के पास एक महिला का शव मिला। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला का सिर धड़ से अलग हो गया और शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला, जिससे उसकी शिनाख्त चुनौतीपूर्ण हो गई थी। पुलिस जब महिला की पहचान के प्रयास कर रही थी, तभी जानकारी मिली कि गांव की 25 वर्षीय अणछी पत्नी पारस कच्छवा अपने दो बच्चों, सोनू (5 वर्ष) और मोनू (4 माह), के साथ लापता है। तलाश के दौरान रात करीब 8ः30 बजे गांव के ही एक कुएं में दोनों बच्चों के शव तैरते मिले। ग्रामीणों की मदद से रात 10 बजे तक दोनों मासूमों के शवों को बाहर निकाला गया। एएसआई उदयलाल सुखवाल और शंकरलाल ने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार, महिला ने ही बच्चों को कुएं में फेंकने के बाद यह आत्मघाती कदम उठाया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी हरजी लाल यादव और थानाधिकारी सुनील शर्मा मौके पर पहुंचे।

मृतकों की पहचान ः अणछी (25), पुत्र सोनू (5) और मासूम मोनू (4 माह)। वर्तमान स्थिति ः तीनों शवों को कपासन उपजिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस अब महिला के पीहर और ससुराल पक्ष से पूछताछ कर रही है ताकि इस खौफनाक कदम के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। फिलहाल खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

जोधपुर में गैंगवार ः शताब्दी सर्कल के पास फायरिंग, रामड़ावास के अनिल साहू को लगी तीन गोलियां

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर पुलिस आयुक्तालय के कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम को शताब्दी सर्कल के पास अंधाधुंध फायरिंग की वारदात हुई। इस हमले में रामड़ावास गांव निवासी अनिल साहू गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल अनिल साहू केडी ग्रुप से जुड़े बताए जा रहे हैं। घटना के समय उनके साथ मुन्ना उर्फ देवसा भी मौजूद थे। हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईः घायल की स्थितिः अनिल साहू को कंधे और कांख के नीचे तीन गोलियां लगने की सूचना है। उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत एम्स रेफर किया गया। गैंगवार की आशंकाः प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, यह घटना आपसी रंजिश या गैंगवार का परिणाम हो सकती है। हालांकि पुलिस अभी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि कर रही है। फायरिंग की सूचना मिलते ही जोधपुर पुलिस सक्रिय हो गई और बदमाशों को पकड़ने के लिए घेराबंदी शुरू कर दी गई है। नाकाबंदीः कुड़ी थाना प्रभारी तेजकरण परिहार ने अपने हल्के में सघन नाकाबंदी करवाई है। टीमों का समन्वयः बदमाशों की धरपकड़ के लिए विवेक विहार, लूणी, झंवर और बोरानाडा के थानाधिकारी (साह्र) अपनी टीमों के साथ अलर्ट मोड पर हैं।

अमेरिका ने दी रूस को चेतावनी, कहा- ईरान संघर्ष से दूर रहे मॉस्को

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के बीच अमेरिका ने रूस को साफ संदेश दिया है कि वह ईरान से जुड़े संघर्ष में दखल न दे। अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हाल ही में फोन पर बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिका ने संकेत दिया कि रूस को इस्राइल और अमेरिका के खिलाफ ईरान के साथ खड़े होने से बचना चाहिए।

हेगसेथ ने पेंटागन में हुई प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि ट्रंप और पुतिन के बीच हुई बातचीत मजबूत और स्पष्ट थी। उन्होंने कहा कि इस बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ पश्चिम एशिया के हालात पर भी चर्चा हुई। अमेरिका का मानना है कि मौजूदा संघर्ष को और बड़ा बनने से रोकना जरूरी है और रूस को इसमें शामिल नहीं होना चाहिए।

क्या ट्रंप और पुतिन की बातचीत में पश्चिम एशिया का जिक्र हुआ : रूस के राष्ट्रपति के सलाहकार यूरी उशाकोव के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच नौ मार्च को फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान ईरान के आसपास बढ़ते संघर्ष पर चर्चा हुई। पुतिन ने कहा कि इस संकट का समाधान राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से निकाला जाना चाहिए। वहीं ट्रंप ने इस्राइल और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई पर अपना पक्ष रखा और युद्ध की स्थिति पर अपनी राय साझा की।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर को अमेरिका ने क्या संदेश दिया : अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है तो हालात और ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगातार सतर्क है।

मिनाब स्कूल हमले पर अमेरिका ने क्या कहा : ईरान के मिनाब शहर में एक प्राथमिक स्कूल पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम 168 बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। इस पर अमेरिका ने कहा कि इस घटना की पूरी जांच की जाएगी। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपने सैन्य अभियानों में नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए सावधानी बरतता है और हर हमले की जांच की जाती है।

माइग्रेशन विद्यार्थियों ने किया व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर का शैक्षणिक भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट, जिला सीधी के कक्षा 9वीं के माइग्रेशन विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 7 मार्च 2026 को व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर का एक दिवसीय भ्रमण कराया गया विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने बताया कि सत्र 2025-26 में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने तथा 'अनेकता में एकता' की भावना को मजबूत करने के लिए नई शिक्षा नीति के अंतर्गत नवोदय विद्यालयों में माइग्रेशन पद्धति लागू की गई है इस पद्धति के तहत हिंदी भाषी क्षेत्र के विद्यार्थियों का एक समूह गैर हिंदी भाषी क्षेत्र में एक वर्ष तक अध्ययन करता है इसी क्रम में

नवोदय विद्यालय चुरहट, जिला सीधी में महाराष्ट्र राज्य के जिला हिंगोली के बासमतनगर क्षेत्र से मराठी भाषी विद्यार्थियों का माइग्रेशन हुआ है जो यहां अध्ययन कर रहे हैं सत्र के अंतिम चरण में विद्यार्थियों को बघेलखंड की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर से परिचित कराने के उद्देश्य से व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर का भ्रमण कराया गया इस दौरान विद्यार्थियों ने सफेद शेर 'मोहन' की विरासत से जुड़ी जानकारी प्राप्त की और वन्यजीव संरक्षण

के महत्व को भी समझा इस शैक्षणिक भ्रमण में टीम स्कॉर्ट के रूप में सुलभा रहाटे (टीजीटी मराठी), अजीत पांडे (पीजीटी इतिहास) तथा सतीश रहाटे उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को भौगोलिक और शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

कन्या महाविद्यालय में 12 मार्च को लगेगा 'युवा संगम', स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 मार्च 2026 को सीधी में एक दिवसीय 'युवा संगम' रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा यह मेला शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी के परिसर में प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मेले का आयोजन जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सीधी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। मेले का उद्देश्य जिले के युवाओं को एक ही स्थान पर रोजगार, अप्रेन्टिसशिप और स्व-रोजगार से जुड़ी जानकारी एवं अवसर उपलब्ध कराना है इस रोजगार मेले में देश, प्रदेश और स्थानीय स्तर की विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी रहेगी। कंपनियों के प्रतिनिधि मेले में उपस्थित रहकर युवाओं से सीधे संवाद करेंगे और योग्य अभ्यर्थियों का चयन भी करेंगे। इससे युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का बेहतर अवसर मिलेगा मेले के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्व-रोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने के लिए अलग-अलग स्टॉल भी लगाए जाएंगे इन स्टॉलों के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, वित्तीय सहायता तथा उद्यमिता विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जाएगी साथ ही युवाओं को अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिले के अधिक से अधिक युवा इस मेले का लाभ उठाकर अपने भविष्य के लिए रोजगार या स्व-रोजगार का मार्ग चुन सकें। इस तरह के आयोजनों से न केवल युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं।

अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण पर जिला मूल्यांकन समिति की बैठक 12 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण एवं उनके पुनरीक्षण से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श के लिए जिला मूल्यांकन समिति की बैठक 12 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी यह बैठक प्रात: 11 बजे कलेक्टर कार्यालय, जिला सीधी के सभाकक्ष में आयोजित होगी संयोजक जिला मूल्यांकन समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम, 2018 के नियम 4(1) के अंतर्गत जिले की अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण के लिए जिला मूल्यांकन समिति का गठन किया गया है यह समिति जिले में भूमि और अन्य स्थावर संपत्तियों के वास्तविक बाजार मूल्य के अनुरूप दरों के निर्धारण की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने का कार्य करती है उन्होंने बताया कि उक्त नियम के नियम 4(2) के अंतर्गत गठित जिला मूल्यांकन समिति द्वारा जिले की विभिन्न उप जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त प्रस्तावों का विश्लेषण और अनुमोदन किया जाएगा ये प्रस्ताव उप जिला स्तर पर विचार-विमर्श और अनुमोदन के बाद जिला समिति को भेजे जाते हैं जिनमें अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य में संशोधन या निर्धारण से संबंधित सुझाव शामिल होते हैं बैठक में विभिन्न विभागों और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त सुझावों पर भी विचार किया जाएगा इन सुझावों के आधार पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भूमि एवं अन्य स्थावर संपत्तियों के बाजार मूल्य का आकलन किया जाएगा जिससे वास्तविक बाजार स्थिति के अनुरूप दरों का निर्धारण किया जा सके।

13 मार्च को होगी जिले की समीक्षा बैठक

कमिश्नर रीवा संभाग करेंगे योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद की अध्यक्षता में 13 मार्च 2026 को सीधी जिले की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी यह बैठक कलेक्ट्रेट सभागार, सीधी में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगी बैठक में केंद्र और राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार इस बैठक का उद्देश्य शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन करना और उनके प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करना है बैठक में जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की जाएगी बैठक के दौरान कलेक्टर्स- कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के एजेंडा बिंदुओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा इसके अलावा शासन द्वारा संचालित की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, जिसके माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कमिश्नर बी.एस. जामोद द्वारा बैठक में प्राप्त शिकायतों की प्रकरणवार स्थिति की भी समीक्षा की जाएगी। इस दौरान लंबित प्रकरणों के निराकरण की गति, विभागवार शिकायतों की स्थिति तथा समाधान की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे कि नागरिकों की शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए और अनावश्यक लंबित प्रकरणों को शीघ्र समाप्त किया जाए इसके साथ ही बैठक में के क्रियान्वयन और उसकी प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासनिक कार्यों को अधिक पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया जाएगा बैठक में की स्थिति का भी परीक्षण किया जाएगा। जिन पात्र हितग्राहियों को अब तक पेंशन स्वीकृति या भुगतान नहीं मिल पाया है उनके प्रकरणों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही जारी किए गए पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश)के विरुद्ध किए गए भुगतान की स्थिति का भी विस्तृत आकलन किया जाएगा कमिश्नर जामोद बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी योजनाएं समय-सीमा में और निर्धारित मानकों के अनुरूप लागू हों साथ ही अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए जाएंगे कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता तथा जवाबदेही बनी रहे इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में सीधी जिले के सभी विभागीय जिला अधिकारी, संभागीय अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे बैठक के माध्यम से जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाने की संभावना है, जिससे विकास कार्यों को और अधिक गति मिल सके।

मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के सहयोग से स्व-सहायता समूहों का बैंक लिंकेज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के सहयोग से शाखावार स्व-सहायता समूह ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा एवं जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में किया गय कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के महाप्रबंधक अनुप सक्सेना भी उपस्थित रहे और उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया प्रतीकात्मक रूप से विकासखंड मझौली में विकासखंड स्तरीय स्व-सहायता समूहों के लिए सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) तथासखी स्वावलंबन व्यक्तिगत उद्यम ऋण वितरण कैंप का आयोजन किया गया।

सिगरेट पीने के विवाद में किशोर की हत्या शराब पिलाने के बहाने साथ ले गए, पत्थर मारकर दबाया गला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मोरवा में सिगरेट पीने को लेकर हुए मामूली विवाद में एक 15 वर्षीय किशोर की हत्या कर दी गई पुलिस ने इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक के ही दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है

9 मार्च से लापता था किशोर: साईं नगर निवासी पवन शाह 9 मार्च की रात करीब 9 बजे घर से निकला था जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए देर रात मोरवा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी बुधवार को मोरवा-चितरंगी मार्ग के किनारे झाड़ियों में पवन का शव मिला था पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि मुख्य आरोपी सुधांशु गुप्ता, पवन को अपनी बाइक पर शराब पिलाने के बहाने घर से ले गया था रास्ते में उनका दूसरा साथी इरशाद खान भी मिल गया तीनों एक सुनसान स्थान पर पहुंचे, जहां आरोपियों ने पहले पवन का गला दबाया और फिर पत्थर से हमला कर उसकी जान ले ली।

होली के दिन हुआ था विवाद: पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि होली के दिन सिगरेट पीने की बात को लेकर पवन और सुधांशु के बीच तीखी बहस हुई थी इसी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपियों ने हत्या की साजिश रची पुलिस ने दोनों आरोपियों सुधांशु गुप्ता और इरशाद खान को हिरासत में ले लिया है जिन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पवन की मौत की खबर मिलते ही आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोग मोरवा थाने के सामने जमा हो गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

बुलडोजर से घर गिरा, तीन बेटियों संग दंपती खुले आसमान के नीचे; आवेदन पर करेंगे कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट कस्बे में एक कब्जा विवाद के बाद एक परिवार का घर बुलडोजर से ढहा दिया गया पीड़ित दंपत्ति अपनी तीन बेटियों के साथ पिछले चार दिनों से खुले आसमान के नीचे सड़क पर रहने को मजबूर हैं पीड़ित महिला सीमा अवधिया ने बताया कि वह इस मकान में लगभग 20 वर्षों से रह रही थीं जबकि उनके ससुर करीब 30 वर्षों से निवास कर रहे थे। उनके अनुसार, परिवार कुल मिलाकर लगभग 50 वर्षों से इस स्थान पर रह रहा था। सीमा ने आरोप लगाया कि जमीन विवाद न्यायालय तक पहुंचा, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह अपनी पैरवी ठीक से नहीं कर पाईआया परिवार। सीमा अवधिया के अनुसार, अदालत ने केवल सुनील सिंह को मकान का कब्जा दिलाने का आदेश दिया था, घर गिराने का नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद सुनील सिंह ने बुलडोजर चलवाकर उनका पूरा मकान ढहा दिया, जिससे घर का सामान भी मलबे में दब गया।

अवैध परिवहन ओवरलोडिंग पर एक्शन,क्रेन-ट्रेलर जब्त चार लाख से अधिक का राजस्व वसूला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। परिवहन विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले मालवाहक वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया है। जिला कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश और आरटीओ विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में चेक-पॉइंट प्रभारी विभा ऊके के नेतृत्व में जिले के कई मार्गों पर सघन जांच की गई। इस अभियान के दौरान बिना वैध दस्तावेज संचालित हो रही एक क्रेन और दो ट्रिप ट्रेलर को मौके पर जब्त किया गया इसके अतिरिक्त, कई अन्य मालवाहक वाहनों पर नियमों का उल्लंघन करने के लिए चालान की कार्रवाई की गई विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध परिवहन ओवरलोडिंग बिना तिरपाल सामग्री ढोना

और प्रदूषण फैलाने जैसे मामलों पर अब 'नो टॉलरेंस' नीति के तहत सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। यह विशेष जांच अभियान परसौना चौकी से तीनगुड़ी चौकी तक पूरे मार्ग पर चलाया गया बंधा, पचौर, उज्जैनी और झींगुर्दा जैसे क्षेत्रों में बिना तिरपाल खुले में रेत, गिट्टी, मिट्टी, कोयला और राख ढोने वाले ओवरलोड वाहनों पर भी कार्रवाई की गई परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई में बाधा डालने या सहयोग न करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी अभियान के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से चार लाख रुपए से अधिक का शासकीय राजस्व वसूला गया मुड़वानी से झूराई नाला, परसौना से तीनगुड़ी और सरई से निगरी तक के संवेदनशील मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

महुआ से आत्मनिर्भरता की राह, गजरी महुआ प्रसंस्करण केंद्र का सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली विकासखंड के ग्राम गजरी स्थित महुआ प्रसंस्करण केंद्र का जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने महिमा उत्पादक समूह की महिलाओं से केंद्र के संचालन, लागत, लाभ, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की निरीक्षण के दौरान सीईओ सोलंकी ने महिलाओं को महुआ से तैयार किए जा रहे उत्पादों के बारे में जानकारी लेते हुए उनके कार्यों की सराहना की उन्होंने सुझाव दिया कि यदि महुआ कुकीज और महुआ लड्डू की विभिन्न वैरायटी के साथ 'किड्स पैक'

भी तैयार किया जाए तो बाजार में इसकी मांग और अधिक बढ़ सकती है उन्होंने महिलाओं को उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन करने की सलाह भी दी इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जंगलों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है जंगलों को बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने ग्रामीणों से महुआ के पेड़ों के नीचे आग न लगाने की अपील करते हुए बताया कि आग लगाने से मृदा स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुंचता है जो मानव

जीवन के लिए भी हानिकारक है सीईओ सोलंकी ने महुआ संग्रहण की सुरक्षित पद्धति अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि महुआ के फूलों को जमीन पर सीधे गिरने देने के बजाय नेट के माध्यम से संग्रहित करने से उनकी गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है इस संबंध में उन्होंने उत्पादक समूहों को महुआ संग्रहण के लिए नेट उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

पिता ने की लाठी मारकर एक वर्षीय बेटे की हत्या,सिर में चोट लगने से मौत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। माड़ा थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी पत्नी से विवाद के दौरान लाठी मारकर अपने एक वर्षीय बेटे की हत्या कर दी बच्चे को गंभीर चोट लगने के बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई पुलिस ने आरोपी पिता रमाशंकर सिंह गोंड को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। माड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि यह घटना 5 मार्च 2026 को शाम करीब 5 बजे बसौड़ा गांव में हुई रमाशंकर उर्फ रामाशंकर सिंह गोंड का अपनी पत्नी से घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया था विवाद बढ़ने पर उसने बांस की लाठी से पत्नी को मारना शुरू कर दिया आरोपी पिता को गिरफ्तार कर ले जाते पुलिसकर्मी इसी दौरान लाठी उसके एक वर्षीय बेटे रियान्स सिंह गोंड के सिर में लग गई बच्चे को गंभीर अंदरूनी चोटें आईं परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ट्रॉमा सेंटर बैढ़न ले गए जहां इलाज के दौरान रियान्स की मौत हो गई। माड़ा थाना पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ अपराध क्रमांक 129/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया था। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। माड़ा पुलिस ने बुधवार को आरोपी रमाशंकर सिंह गोंड (28) निवासी बसौड़ा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया इस कार्रवाई में थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा सहित पुलिस टीम के कई अधिकारियों व कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संसद में चर्चा का ड्रामा

संपादकीय

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च, सोमवार, को शुरू हुआ, लेकिन हंगामे, नारेबाजी, पोस्टरबाजी की बलि चढ़ गया। अजीब सियासी ड्रामा देखने को मिला। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया था, जिसे कार्यसूची में रखा गया। अर्थात् प्रस्ताव पर चर्चा होगी और फिर मत-विभाजन होगा। कायदे से विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का आगाज करना चाहिए था, लेकिन उसने ईरान युद्ध और उससे प्रभावित हालात पर वैकल्पिक चर्चा की नई मांग की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को अपना वक्तव्य शोर के बीच ही पढ़ना पड़ा। उधर राज्यसभा में भी ईरान युद्ध पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस दिए गए। अविश्वास प्रस्ताव स्पीकर के खिलाफ था, लिहाजा विपक्ष की नई मांग को खारिज कर दिया गया और स्पीकर के मुद्दे पर चर्चा के लिए आग्रह पीठासीन अधिकारी ने किया और संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने भी कहा। नतीजतन हंगामा होता रहा। अंततः लोकसभा की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित करनी पड़ी। सवाल है कि लोकसभा में विरोधाभास की स्थिति थी, लेकिन राज्यसभा में ईरान युद्ध पर चर्चा क्यों नहीं कराई गई? वीपी सिंह और अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान हमारी संसद ने ऐसे युद्धों, हमलों पर चर्चा की थी और हमलावर आक्रांता देश की निंदा की थी। लिहाजा ऐसी चर्चाओं की संसदीय परंपरा रही है। कमोबेश राज्यसभा में तो अविश्वास प्रस्ताव जैसा कोई महत्वपूर्ण विषय कार्यसूची में नहीं था। ईरान और खाड़ी के अन्य अरब देशों में तबाही का जो दौर चल रहा है, भारत उससे अछूता नहीं है। बल्कि भारत भी प्रभावित हो रहा है, बेशक सरकारी सूत्र कुछ भी दावे करते रहें। कच्चे तेल की कीमत 118 डॉलर प्रति बैरल तक उछली। शुक्र है कि अंततः यह कीमत 96.88 डॉलर तक लुढ़क गई। मीडिया में यह कीमत 102 डॉलर भी छपी है। यदि कच्चे तेल के दाम 120 डॉलर हो जाते हैं, तो विश्व में 0.4 फीसदी महंगाई बढ़ेगी। दस मार्च मंगलवार की दोपहर में कच्चे तेल की कीमत गिर कर 90 डॉलर पर आ गई। संभावनाओं के मद्देनजर तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल के 'चरम' तक पहुंचती हैं, तो दुनिया में औसतन जीडीपी 2 फीसदी कम हो सकती है। यदि ईरान युद्ध 15 और दिन जारी रहा, तो तेल 150 डॉलर तक महंगा होना लगभग तय है। चूंकि ईरान के लगातार हमलों के मद्देनजर सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, कुवैत आदि खाड़ी देशों ने तेल और गैस के उत्पादन कम कर दिए हैं अथवा बंद करने पड़े हैं, क्योंकि रिफाइनरियां, तेल डिपो और ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। नतीजतन विश्व में तेल और गैस का व्यापक संकट सामने दिख रहा है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय : दांडी मार्च–12 मार्च 1930

सुनील कुमार महला

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की दृष्टि से 12 मार्च 1930 का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। जैसा कि इसी दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने गुजरात के साबरमती आश्रम से दांडी नामक स्थान तक लगभग 390 किलोमीटर (241 मील) की ऐतिहासिक पदयात्रा शुरू की थी। गौरतलब है कि इस आंदोलन को दांडी मार्च, नमक मार्च या दांडी सत्याग्रह कहा जाता है। वास्तव में, यह ब्रिटिश/अंग्रेजी सरकार के अन्यायपूर्ण नमक कानून के खिलाफ किया गया एक अहिंसक सविनय अवज्ञा आंदोलन था।

आंदोलन की शुरुआत:-इस यात्रा में शुरुआत में केवल 78 सत्याग्रही शामिल थे (कुछ स्रोतों में 79 का भी उल्लेख मिलता है), लेकिन रास्ते में हजारों लोग इस आंदोलन से जुड़ते गए। गांधीजी की आयु उस समय 61 वर्ष थी, फिर भी वे 24 दिनों तक प्रतिदिन लगभग 16 से 19 किलोमीटर पैदल चलते रहे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गांधीजी के मार्च शुरू करने से पहले ही उनके प्रमुख सहयोगी और रणनीतिकार सरदार वल्लभभाई पटेल को 7 मार्च 1930 को ब्रिटिश सरकार ने गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, अंग्रेजी सरकार को यह आशंका थी कि पटेल की संगठनात्मक क्षमता इस आंदोलन को और भी व्यापक बना सकती है।

नमक को आंदोलन का प्रतीक क्यों बनाया गया ? नमक को इस आंदोलन का प्रतीक बनाया गया क्यों कि उस समय ब्रिटिश सरकार ने नमक के उत्पादन और उसकी बिक्री पर जहां एक ओर कर(टैक्स) लगा रखा था वहीं पर दूसरी ओर उस पर एकाधिकार(मोनोपॉली) भी था।नमक आम जन की रोजमर्रा जिंदगी का अहम् हिस्सा था और आम जनता को नमक के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ती थी, जो कभी-कभी उसके वास्तविक मूल्य से 14 गुना तक अधिक हो जाती थी। जानकारी तो यह भी मिलती है कि सरकार उस नमक को भी नष्ट कर देती थी, जिसे वह ऊंचे दाम पर बेच नहीं पाती थी, ताकि लोग उसे मुफ्त में न उठा सकें। गांधीजी ने नमक को आंदोलन का प्रतीक इसलिए चुना, क्योंकि नमक हर गरीब-अमीर की दैनिक आवश्यकता है। इस साधारण विषय के माध्यम से उन्होंने पूरे देश की जनता को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ दिया। हालांकि, शुरुआत में कांग्रेस के कुछ नेताओं को यह मुद्दा बहुत ही छोटा लगा और उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन बाद में यही आंदोलन पूरे देश में फैल गया।

दांडी पहुँचकर कानून भंग:- इतिहास के अध्ययन से पता चलता है कि लगभग 24 दिनों की यात्रा के बाद 6 अप्रैल 1930 को गांधीजी गुजरात के तटीय गांव दांडी पहुँचे। वहां उन्होंने समुद्र तट पर पड़ी नमक-मिश्रित मिट्टी उठाकर ब्रिटिश नमक कानून का सांकेतिक रूप से उल्लंघन किया। वास्तव में उन्होंने नमक बनाया नहीं था, बल्कि मिट्टी और नमक के मिश्रण को उठाकर कानून तोड़ा था। पाठकों को बताता चलूं कि दांडी में गांधीजी द्वारा बनाए गए चुटकी भर नमक की उस समय नीलामी हुई, जो 1600 रुपये में बिका था। आज के मूल्य के अनुसार यह राशि लाखों रुपये के बराबर मानी जाती है।

दांडी आंदोलन का विस्तार:-दांडी मार्च के बाद पूरे देश में नमक कानून तोड़ने की जैसे लहर-सी फैल गई थी। लाखों लोग सविनय अवज्ञा आंदोलन से जुड़ गए और ब्रिटिश शासन के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सरकार ने इस आंदोलन को दबाने के लिए 60,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया। यह भी उल्लेखनीय है कि 5 मई 1930 को गांधीजी को भी गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन फिर भी यह आंदोलन जारी रहा। बाद में कवयित्री और महान् स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू ने 21 मई 1930 को लगभग 2500 सत्याग्रहियों का नेतृत्व करते हुए बंबई से लगभग 150 मील उत्तर स्थित धरासना नमक कारखाने पर सत्याग्रह किया।

दांडी का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव:-दांडी मार्च को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में अमेरिकी पत्रकार वेब मिलर की बड़ी व महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने धरासना सत्याग्रह के दौरान सत्याग्रहियों पर हुए पुलिस के क्रूर लाठीचार्ज की रिपोर्टिंग दुनिया भर में भेजी, जिससे ब्रिटिश सरकार की वैश्विक स्तर पर कड़ी आलोचना हुई। इस आंदोलन के कारण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पहली बार पश्चिमी मीडिया की प्रमुख सुर्खियों में आया।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति- मुख्यमंत्री टकराव- क्या यह संवैधानिक गरिमा का प्रश्न है या चुनावी राजनीति की रणनीति?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

एक ओर केंद्र सरकार और सत्तारुड़ पार्टी इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा और संविधान के सम्मान से जोड़कर देख रही है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की सीएम इसे चुनाव से पहले की राजनीतिक रणनीति और केंद्र द्वारा राज्य सरकार को घेरने की कोशिश बता रही हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह विवाद केवल प्रोटोकॉल या औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह केंद्र-राज्य संबंधों, संवैधानिक मर्यादाओं और चुनावी राजनीति की जटिलताओं को भी उजागर कर रहा है।लोकतंत्र में प्रोटोकॉल केवल औपचारिक नियम नहीं होते बल्कि वे संस्थाओं की गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने का माध्यम होते हैं।राष्ट्रपति प्रधानमंत्री या अन्य संवैधानिक पदों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल इसलिए बनाए गए हैं ताकि शासन प्रणाली में अनुशासन और सम्मान बना रहे। यदि इनका पालन नहीं होता तो इससे संस्थागत असंतुलन पैदा हो सकता है।आने वाले महीनों में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की घोषणा होने की संभावना है। ऐसे में यह विवाद चुनावी प्रचार का प्रमुख मुद्दा बन सकता है।सत्ताधारी पार्टी इसे संवैधानिक सम्मान और आदिवासी गौरव के मुद्दे के रूप में प्रस्तुत कर सकती है, जबकि पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी इसे केंद्र की राजनीतिक साजिश बताकर अपने समर्थकों को लामबंद करने की कोशिश करेगी। इस पूरे विवाद में मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। विभिन्न समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर इस घटना को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है,कुछ लोग इसे राष्ट्रपति का अपमान मान रहे हैं,जबकि कुछ इसे राजनीतिक विवाद बता रहे हैं।लोकतंत्र में मीडिया जनमत को प्रभावित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और ऐसे मामलों में उसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रपति का उत्तर बंगाल दौरा और विवाद की शुरुआत को समझने की करें तो,पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब माननीय राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुँचीं। यह कार्यक्रम एक निजी संगठन इंटरनेशनल संथाल काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था।मूल रूप से इस सम्मेलन का आयोजन दार्जिलिंग जिले के बिधाननगर क्षेत्र में प्रस्तावित था, जहाँ बड़ी संख्या में संथाल आदिवासी समुदाय के लोगों के पहुँचने की संभावना थी। हालांकि बाद में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए कार्यक्रम स्थल को बदलकर बागडोगरा एयरपोर्ट के पासगोशाईपुर कर दिया गया।राष्ट्रपति ने स्वयं इस परिवर्तन परअसंतोष व्यक्त किया और कहा कि नया स्थल छोटा था,जिसके कारण हजारों संथाल समुदाय के लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। राष्ट्रपति की यह नाराजगी धीरे-धीरे राजनीतिक विवाद का रूप लेने लगी।

साथियों बात अगर हम प्रोटोकॉल का प्रश्न और राष्ट्रपति की नाराजगी को समझने की करें तो राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में इस बात पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके स्वागत के लिए न तो मुख्यमंत्री और न ही राज्य सरकार का कोई वरिष्ठ मंत्री उपस्थित था।उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें इससे कोई शिकायत नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति पद के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री को छोटी बहन बताते हुए यह सवाल भी किया कि क्या वे उनसे नाराज हैं?। राष्ट्रपति के इस बयान ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया, क्योंकि यह पहली बार था जब किसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से प्रोटोकॉल के पालन पर प्रश्न उठाया। इस बयान के बाद सत्तारुड़ पार्टी ने इसे संवैधानिक गरिमा से जोड़कर मुद्दा बनाया और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

साथियों बात अगर हम प्रधानमंत्री और सत्ताधारी पार्टी की प्रतिक्रिया को समझने की करें तो पीएम ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह केवल राष्ट्रपति का अपमान नहीं बल्कि भारत के संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं का भी अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि द्रौपदी मुर्मू स्वयं आदिवासी समुदाय से आती हैं और उनके विकास के लिए समर्पित हैं, ऐसे में उनके कार्यक्रम में अव्यवस्था होना और राज्य सरकार का उचित सहयोग न मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेताओं ने इसे आदिवासी अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया। सत्तारुड़ पार्टी के लिए यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण था क्योंकि बंगाल में आदिवासी समुदाय एक महत्वपूर्ण वोट बैंक माना जाता है। साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री कापलटवार और राजनीतिक आरोप को समझने की करें तो उन्होंने इन सभी आरोपों को सिरे सेखारिज करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम राज्य सरकार का नहीं बल्कि एक निजी संस्था का आयोजन था।उनके अनुसार राज्य प्रशासन ने पहले ही राष्ट्रपति सचिवालय को यह सूचित कर दिया था कि आयोजकों की तैयारी पर्याप्त नहीं है और इतनी बड़ी सभा को संभालने की क्षमता उनके पास नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि यदि राष्ट्रपति साल में एक बार किसी कार्यक्रम में आती हैं तो वे स्वयं स्वागत केलिए जा सकती हैं,लेकिन यदि चुनाव से पहले बार-बार कार्यक्रम होते हैं तो हर बार उपस्थित रहना संभव नहीं है। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के पद का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है। ममता बनर्जी का यह बयान राजनीतिक दृष्टि से बेहद तीखा माना गया क्योंकि उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि राष्ट्रपति सत्ताधारी पार्टी की नीतियों और निर्देशों से प्रभावित होकर कार्य कर रही हैं। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को केंद्र-राज्य टकराव का नया आयाम इस दृष्टिकोण से समझने की करें तो यह विवाद धीरे-धीरे केंद्र और राज्य सरकार के बीच टकराव का रूप लेने लगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी और पूछा कि मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक राष्ट्रपति के स्वागत के लिए क्यों उपस्थित नहीं थे। साथ ही यह भी पूछा गया कि कार्यक्रम स्थल और मार्ग की व्यवस्था ब्लू बुक के अनुसार क्यों नहीं की गई। इन सवालों ने इस मामले को केवल राजनीतिक बहस से आगे बढ़ाकर प्रशासनिक और संवैधानिक जांच के दायरे में ला दिया।

साथियों बात अगर हम ब्लू बुक क्या है और इसकामहत्व क्या है इसको समझने की करें तो,इस विवाद के बाद सबसे अधिक चर्चा जिस शब्द की हुई वह था ब्लू बुक। भारत में जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री किसी राज्य के दौरे पर जाते हैं तो उनकी सुरक्षा, स्वागत और अन्य व्यवस्थाएँ गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए एक विशेष प्रोटोकॉल दस्तावेज़ के अनुसार होती हैं जिसे ब्लू बुक कहा जाता है। यह दस्तावेज़ अत्यंत गोपनीय होता है और केवल चुनिंदा अधिकारियों को ही उपलब्ध कराया जाता है। इसमें राष्ट्रपति के आगमन से लेकर कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, सुरक्षा, मार्ग, झंडा, राष्ट्रगान, बैठने की व्यवस्था और आपातकालीन योजनाओं तक हर छोटी- बड़ी बात का विस्तृत विवरण होता है।ब्लू बुक के प्रमुख प्रावधान- ब्लू बुक के अनुसार जब राष्ट्रपति किसी राज्य में पहुँचते हैं तो राज्यपाल और मुख्यमंत्री या उनके द्वारा नामित मंत्री को हवाईअड्डे पर स्वागत के लिए उपस्थित रहना चाहिए। यदि मुख्यमंत्री किसी कारण से उपस्थित नहीं हो सकते तो मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रपति के लिए तय मार्ग पूरी तरह साफ- सुथरा होना चाहिए, सुरक्षा व्यवस्था चाक- चौबंद होनी चाहिए और कार्यक्रम स्थल पर सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होनी चाहिए। यह केवल औपचारिकता नहीं बल्कि राष्ट्र की गरिमा और संवैधानिक शिष्टाचार का हिस्सा माना जाता है।पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव ने गृह मंत्रालय को भेजी गई रिपोर्ट में कहा कि कार्यक्रम पूरी तरह एक निजी संगठन द्वारा आयोजित था और राज्य सरकार की भूमिका सीमित थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि प्रशासन ने पहले ही आयोजकों की तैयारियों को लेकर चिंता व्यक्त की थी और राष्ट्रपति सचिवालय को इस बारे में सूचित कर दिया गया था। इसके साथ ही रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया कि मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति प्रशासनिक कारणों से थी और प्रोटोकॉल का कोई जानबूझकर उल्लंघन नहीं किया गया।

साथियों बात अगर हम इसका राजनीतिक विश्लेषणः चुनावी रणनीति या संवैधानिक मुद्दा को समझने की करें तो, राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव निकट हैं। सत्ताधारी पार्टी लंबे समय से बंगाल में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है और आदिवासी समुदाय को अपने पक्ष में लाने की रणनीति पर काम कर रही है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी भी इस समुदाय में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। ऐसे में राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर उठा विवाद चुनावी राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन सकता है।

साथियों बात अगर हम संवैधानिक गरिमा और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को समझने की करें तो यह घटना एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देती है कि क्या संवैधानिक पदों को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अलग रखा जा सकता है। भारत के संविधान में राष्ट्रपति को देश का प्रथम नागरिक माना गया है और उनका पद दलगत राजनीति से ऊपर माना जाता है। लेकिन जब राजनीतिक दल इस प्रकार के विवादों को चुनावी मुद्दों में बदल देते हैं तो इससे संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर भी प्रश्न उठने लगते हैं।यह विवाद भारत के संघीय ढांचे में केंद्र और राज्यों के संबंधों पर भी प्रकाश डालता है। भारतीय संविधान संघीय व्यवस्था पर आधारित है जिसमें केंद्र और राज्य दोनों की अपनी- अपनी शक्तियाँ और जिम्मेदारियाँ होती हैं। लेकिन जब राजनीतिक मतभेद बढ़ जाते हैं तो प्रशासनिक और संवैधानिक मुद्दे भी टकराव का कारण बन जाते हैं। पश्चिम बंगाल का यह मामला इसी प्रवृत्ति का उदाहरण माना जा रहा है। आदिवासी राजनीति का आयाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति

नशे की जंग में पुलिस ही क्यों कटघरे में? युवा पीढ़ी भटक रही, समाज के ठेकेदारों की जिम्मेदारी भी तय हो

रीवा जिले सहित पूरे प्रदेश में नशे के खिलाफ समय-समय पर अभियान चलाए जाते रहे हैं। पुलिस द्वारा कोरेक्स और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए छापेमारी और गिरफ्तारी की कार्रवाई भी की जाती है। इसके बावजूद जब भी नशे की समस्या सामने आती है तो सबसे पहले पुलिस ही सवालों के घेरे में खड़ी नजर आती है। लेकिन यह भी सच है कि इस गंभीर सामाजिक समस्या के लिए केवल पुलिस को ही जिम्मेदार ठहराना कहीं न कहीं वास्तविकता से आंखें मूंदने जैसा है। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युवा पीढ़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में आती जा रही है। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी कई युवा कोरेक्स नशीली गोलियों और अन्य मादक पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक चिंता का विषय भी बन चुकी है। नशा धीरे धीरे युवाओं के भविष्य को अंधकार की ओर धकेल रहा है लेकिन इस पर सामूहिक जिम्मेदारी तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। पुलिस का मूल काम कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करना होता है। कई मामलों में पुलिस ने नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए हैं और अवैध कारोबार करने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि यदि समाज में नशे की मांग बनी रहेगी तो केवल पुलिस की कार्रवाई से इस समस्या को पूरी तरह खत्म कर पाना संभव नहीं होगा समाज में कई ऐसे लोग और संगठन हैं जो खुद को समाजसेवी या युवाओं का मार्गदर्शक बताते हैं। मंचों और सभाओं में नशा मुक्ति की बातें भी की जाती हैं लेकिन जमीनी स्तर पर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान बहुत कम दिखाई देते हैं। युवाओं को सही दिशा देने की जिम्मेदारी केवल पुलिस की नहीं बल्कि परिवार, शिक्षक, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों की भी है। अक्सर देखा गया है कि जब कहीं पुलिस कोई बड़ी कार्रवाई करती है तो उसका श्रेय लेने के लिए कई नेता और प्रभावशाली लोग आगे आ जाते हैं। लेकिन अगर कहीं नशे से जुड़ा कोई नकारात्मक मामला सामने आ जाए तो तुरंत पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगते हैं। यह सोच भी कहीं न कहीं बदलने की जरूरत है, क्योंकि नशे के खिलाफ लड़ाई एक सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को भी इस दिशा में सजग होने की आवश्यकता है। माता-पिता को अपने बच्चों की गतिविधियों, मित्र मंडली और दिनचर्या पर ध्यान देना चाहिए। वहीं स्कूल और कॉलेजों में भी नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि युवाओं को इसके दुष्परिणामों के बारे में समय रहते जानकारी मिल सके। समाज के जागरूक नागरिकों और संगठनों को भी आगे आकर युवाओं को खेल शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना चाहिए। यदि हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए इस दिशा में प्रयास करे तो निश्चित रूप से नशे की बढ़ती समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। जब तक समाज के सभी वर्ग मिलकर इस समस्या के खिलाफ खड़े नहीं होंगे तब तक युवा पीढ़ी को नशे के जाल से बचाना मुश्किल बना रहेगा।

क्यों आई हो ! अब यहाँ ?

वरिष्ठ कहानीकार श्री आर.के. तिवारी जी की कहानी संग्रह जिसका शीर्षक है ''क्यों आई हो ! अब यहाँ ?'' – यह एक संदेशप्रद और प्रेरक पुस्तक है। यह लेखक की दसवीं पुस्तक प्रकाशित हुई है, जो अत्यन्त सराहनीय है। यह पुस्तक कहानियों का एक ऐसा संग्रह है, जो साहित्य के मूल्यों, भावनाओं और समाज की सच्चाईयों को बड़े ही सजीव व प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। आर.के. तिवारी जी की लेखनी न केवल भावनाओं को छूती है, बल्कि सामाजिक अन्याय, गरीबी, पारिवारिक रिश्तों के सम्बन्धों जैसे गम्भीर विषयों पर सम्पूर्ण एवं वास्तविक सच्चाई को दर्शाती है।

समीक्षा

डॉ. नीलिमा पिम्पलापुरे
समाजसेविका, सागर

वरिष्ठ साहित्यकार तिवारी जी की हर कहानी सरल, सहज और संवेदनशील है। प्रत्येक कहानी एक रोचक ढंग से लिखी है। जो पाठक को बाँधकर रखती है। कहानियाँ सैद्धान्तिक और समाज के नैतिक मूल्यों पर आधारित उनका संदेश बताती है। पुस्तक के शीर्षक की कहानी ''क्यों आई हो ! अब यहाँ ?'', वृद्ध माता-पिता और उनके बच्चों के बीच के गंभीर व नाजुक रिश्तों को दर्शाती है। माता-पिता उस वक्त के लिए अपनी संतान की परवरिश करते हैं, उन्हें पढ़ाते हैं, ताकि बुढ़ापे में वे उनका सहारा बन सके। आज के युग में श्रवणकुमार तो नहीं मिलते हैं, लेकिन यदि हम अपने माँ-बाप के आखिरी समय उनकी थोड़ी सी सेवा करें, तो यह काफी है। पन्द्रह वर्ष का बालक मोहन, शहर छोड़कर अपनी बीमार दादी की सेवा के लिए गाँव आकर उनके पास रहता है। अंतिम सांस तक उनकी सेवा करता है और जब दादी की गंगाजली पूजन के लिए उसके माता-पिता शहर से गाँव आते हैं, तब मोहन गुस्से में आकर उनको कहता है - ''क्यों आये हो अब यहाँ''।

''नसीब'' - यह कहानी एक लड़के की है, जो क्रोध में लिये गये एक गलत निर्णय से उसका भाग्य बदल जाता है। जो लड़का होनहार, होशियार था, उसको गलत संगति ने बिगाड़ दिया, जिससे उसे सजा काटनी पड़ी।

''कर्नल रंजीत और सिया'' - एक अत्यन्त मार्मिक कहानी है। एक आदिवासी 12 वर्षीय लड़की, सिया की कहानी है, जो पहाड़ी पर बकरियाँ चराती थी। उसने एक घायल फौजी, कर्नल रंजीत की सहायता की, जिससे उसकी जान बच गई। कर्नल रंजीत ने सिया को अपनी बेटी बनाकर शहर ले जाकर उसे पढ़ाया और एक पायलट बनाया। एक बकरी चराने वाली लड़की आज पायलट बन गई है।

''रामरति'' - एक आंदोलन का नाम। यह भी एक आदिवासी जनजाति महिला प्रधान समाज की है, जिसकी मुखिया का नाम रामरति है। यह कहानी बताती है कि आज नारी कमजोर नहीं है, रामरति ने जंगली जानवरों से अपनी बस्ती को बचाकर, एक आंदोलन का नाम दिया। यह कहानी महिला सशक्तिकरण को प्रेरित करती है।

''मेरी बड़ी भाभी'' - परिवार को मजबूत और एकत्रित रखने के लिए बड़ी भाभी का त्याग और समर्पण की हृदयस्पर्शी कहानी है। ''दीपा की सहेली'' - कहानी दो सहेलियों की है। एक सच्ची सहेली का दायित्व निभाकर शालू ने अपनी सहेली दीपा की शादी, एक धोखेबाज के घर होने से बचा लिया।

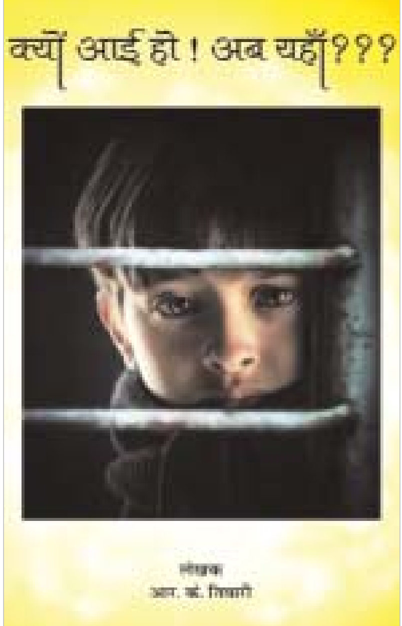

कहानीकार ने प्राणियों के जरिये ही हमें सीख दी है। ''गहरा जख्म'' - एक बन्दर की मार्मिक कहानी है, जिसे दुष्ट पापी इंसान ने भगाकर मार डाला। ''चूहा पचरंगी'' - एक घर में रहने वाले कुत्ते और चूहे की कहानी है। यह कहानी हमें सीख देती है, कि एक ही घर में रहने वाले विपरीत विचारों के प्राणियों में भी इतनी आत्मीयता हो जाती है, कि उन पर आये संकट के समय वे एक-दूसरे की सहायता करते है।

''बेटा मैं तेरी माँ हूँ, डायन नहीं'' - यह कहानी एक माँ-बेटे की हृदयस्पर्शी कहानी है। जब बेटा देर रात तक घर नहीं आता, तब माँ कितनी बहुत ही चिन्तित हो जाती है, और उसके मन में बुरे-बुरे विचार आते है। यह कहानी माँ-बेटे के बीच के नाजुक रिश्ते को दर्शाती है। ''छोटी बहिन'' - यह कहानी भाई-बहिन के रिश्ते की है। भाई-बहिन के प्रेम की कोई सीमा नहीं होती, भाई के प्रति बहिन में त्याग और क्षमा की भावनायें अधिक होती हैं। ''फुलझड़ी'' और ''मेरी दादी माँ'' - यह दोनों कहानियाँ रिश्तों की गहराई और संवेदनाओं की रोचक कहानियाँ है। कथाकार अपने पात्रों को जोड़कर रोचकता से पाठकों में जिज्ञासा बने रहने में सक्षम है।

''खोटा सिक्का'' और ''पिताजी का चश्मा'' - यह वृद्धावस्था की अत्यन्त दिल को छू लेने वाली कहानियाँ है। वृद्धावस्था में जिन्हें, हम अपने ऊपर बोझ समझते हैं, ऐसे हमारे बूढ़े माँ-बाप की सेवा करना हमारा दायित्व है, न कि वे हमारे ऊपर भार हैं। ''कुँवरबाई रतनगढ़'' - यह महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण है। कुँवरबाई के त्याग और प्रयासों से एक छोटे से रतनगढ़ गाँव में लड़कियों के लिए स्कूल व अस्पताल खुलवाने की एक शक्तिशाली कहानी है। करुणा और आत्मत्याग का अमर प्रतीक है।

''सुगना की बहू और शिकारी'' और ''सलवार सूटवाली'' - दोनों कहानियाँ दया और निर्मल स्वभाव की महिलाओं की संवेदनशील कहानी हैं। यह सरल और सच्ची कथा है, जो हमें प्रभावित करती है।

कहानीकार की भाषा शैली सरल, सहज और सजीव है। कहानियाँ, यथार्थ और सच्चाई का चित्र प्रस्तुत करती हैं, जो पाठकों को सोचने पर मजबूर करती हैं। लेखक, पात्रों को इस तरह गढ़ते हैं कि वे हमारे आसपास के, हमारे अपने लोग लगते हैं। कहानियों में गहराई और मानवीय संवेदनाओं का समागम है, व समाज के विविध पक्षों की यथावत् अभिव्यक्ति है। सहज एवं प्रभावशाली भाषा का उपयोग करके लेखक ने अत्यन्त सुंदर ढंग से कहानियों को प्रस्तुत किया है। प्रत्येक कहानी के अंत में हमें एक महत्वपूर्ण सीख एवं उद्देश्य मिलता है। सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ केवल मनोरंजन नहीं देती, बल्कि वह जीवन को देखने का एक नया दृष्टिकोण भी प्रदान करती है।

यह कहानी संग्रह विशेष रूप से शिक्षाप्रद है और निश्चित रूप से वे लोकप्रिय होंगी, जिससे अधिक से अधिक लोग पढ़कर लाभान्वित होंगे। तिवारी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें !

देवकीनंदन ठाकुर की कथा 17 मार्च से भागवत से पहले निकाली पदयात्रा; संतों पर फूल बरसाकर स्वागत किया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बलारी माता मंदिर से खेड़ापति हनुमान मंदिर तक एक पदयात्रा निकाली गई खेड़ापति पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी नीलमणिदास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत और महिलाएं शामिल हुईं यह पदयात्रा बलारी माता मंदिर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी और खेड़ापति हनुमान मंदिर पर समाप्त हुई। मार्ग में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर संतों का स्वागत किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी नीलमणिदास जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि नई पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में अपने मूल संस्कारों और त्योहारों को भूल रही है उन्होंने गुड़ी पड़वा को हिंदू नववर्ष का

प्रतीक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और परंपराओं से जोड़ने का उद्देश्य रखते हैं। स्वामी नीलमणिदास जी महाराज ने बताया कि आगामी 17 मार्च से शिवपुरी में 1000 सहस्त्र चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा इसी के साथ विश्वविख्यात कथा व्यास देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा भी सुनाई जाएगी। मोहित दास जी महाराज ने इस आयोजन को समाज में समरसता और एकता का संदेश देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह धर्म और संस्कृति के प्रति लोगों को जागरूक करने का एक प्रयास है।

महिला नेतृत्व की मिसाल अलका चौहथा संभाल रहीं संकुल शैक्षिक समन्वयक की जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नेतृत्व क्षमता के बल पर लगातार नई पहचान बना रही हैं जिले के मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में प्राथमिक शाला वार्ड क्रमांक 09 की प्रधान पाठक अलका चौहथा भी ऐसी ही प्रेरणादायी महिला हैं जो अपने समर्पण और कार्यकुशलता से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं 20 मई 2025 से नियुक्त अलका चौहथा वर्तमान में जनजातीय कल्याण विभाग के अंतर्गत संकुल शैक्षिक समन्वयक के रूप में कार्यरत हैं जिले में कार्यरत 28 संकुल शैक्षिक समन्वयकों में वे एकमात्र महिला संकुल शैक्षिक समन्वयक हैं यह उपलब्धि न केवल उनके लिए गौरव का विषय है बल्कि जिले की कई महिला शिक्षकों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बन गई हैसंकुल शैक्षिक समन्वयक शिक्षा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है इस पद का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करना शिक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन देना और विद्यार्थियों के अधिगम स्तर को बेहतर बनाना होता है अलका चौहथा अपने संकुल के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों का नियमित भ्रमण कर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का निरीक्षण करती हैं और शिक्षकों को नई शिक्षण पद्धतियों प्रभावी पाठ योजना तथा गतिविधि आधारित शिक्षण अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं इसके साथ ही वे समय-समय पर शिक्षकों की बैठक, प्रशिक्षण और शैक्षणिक कार्यशालाओं का आयोजन कर उनकी क्षमता बढ़ाने का प्रयास करती हैं विद्यार्थियों के अधिगम स्तर और शैक्षणिक परिणामों में सुधार के लिए वे विभिन्न योजनाएं तैयार करती हैं तथा शासन द्वारा संचालित शैक्षणिक योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित करती हैं।

टीचर ने स्टूडेंट से की छेड़खानी छोटी-बहन ने मचाया शोर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में एक टीचर दही मांगने के बहाने किसान के घर में घुस गया इस दौरान उसने नाबालिग छात्रा को कमरे में ले जाकर छेड़खानी की उसकी हरकतों को देखकर छात्रा की छोटी बहन ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाया लोगों की भीड़ जुटती इससे पहले ही शिक्षक मौका पाकर भाग निकला इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर लिया है घटना पचपेड़ी थाना क्षेत्र की है जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ ग्राम सिर्री निवासी शिक्षक रोहित पटेल (50) सरकारी स्कूल में शिक्षक है उसकी पोस्टिंग बिलासपुर जिले के पचपेड़ी में है वह रोजाना अपने गांव से स्कूल आना-जाना करता है। पचपेड़ी क्षेत्र में रहने वाली दसवीं की छात्रा के घर पहुंचा इस दौरान दही मांगने का बहाना बनाकर अंदर चला गया। घर पर उस समय किसान की दो बेटियां अकेली थीं छात्रा को अकेली देखकर शिक्षक की बुरी नियत उस पर पड़ी उसने चालाकी दिखाते हुए बड़ी बहन को बुलाकर घर के एक कमरे में ले गया कमरे में पहुंचते ही उसने छात्रा के साथ छेड़खानी शुरू कर दी छात्रा ने जब विरोध किया, तो उसने उसका मुंह दबा दिया छोटी बहन ने दिखाई हिम्मत, शिक्षक इसी बीच बड़ी बहन की आवाज सुनकर पास ही मौजूद छोटी बहन कमरे तक पहुंच गई उसने शिक्षक द्वारा जबरदस्ती करते देख शोर मचाना शुरू कर दिया। लोगों की भीड़ जुटती इससे पहले ही आरोपी शिक्षक घर से निकल कर भाग निकला। घटना के बाद छात्राओं के परिजनों ने थाने पहुंच कर शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

डिइओ पर गबन-भ्रष्टाचार का आरोप...जांच कमेटी पर सवाल संयुक्त संचालक को बनाया जांच अधिकारी कमेटी से 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

म शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति अटैचमेंट और प्रमोशन के साथ ही गबन और भ्रष्टाचार के आरोप में जिला शिक्षा अधिकारी विजय टांडे और उनका स्टाफ विवादों में है कांग्रेस नेता और पूर्व जिला पंचायत सदस्य अंकित गौरहा की शिकायत के बाद संभागीय संयुक्त संचालक ने अनुकंपा नियुक्ति और प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया में हुई गड़बड़ी की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है कमेटी को 7 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं अब कांग्रेस नेता ने जांच के बिंदु तय करने के साथ ही जांच कमेटी को लेकर सवाल उठाया है उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि अगर दोषियों को बचाने के लिए षड्यंत्र किया गया तो वे आंदोलन करेंगे। डीईओ पर वित्तीय अनियमितता और नियुक्तियों में गड़बड़ी के आरोप डीईओ विजय टांडे और सुनील

यादव पर पद का दुरुपयोग करते हुए वित्तीय अनियमितता और नियुक्तियों में गड़बड़ी के आरोप है इस मामले में संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर ने 6 मार्च को आदेश जारी किया है। जेडी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है जांच टीम में जांजगीर-चांपा के डीईओ अशोक सिन्हा, जेडी कार्यालय बिलासपुर के जेके शास्त्री और बीईओ बिल्हा भूपेन्द्र कौशिक शामिल हैं इन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि शिकायतों की जांच करके 7 दिनों के अंदर अपनी राय और जांच रिपोर्ट पेश करे शिकायतकर्ता अंकित गौरहा ने संयुक्त संचालक द्वारा गठित की गई जांच समिति पर सवाल उठाए हैं उनका कहना है कि डीईओ के अधीनस्थ कार्यरत बिल्हा बीईओ भूपेंद्र कौशिक को जांच टीम में शामिल किया गया है ऐसे में सवाल उठता है कि बीईओ अपने से बड़े पद पर कार्यरत अधिकारी के खिलाफ रिपोर्ट कैसे दे सकता है दरअसल, इससे पहले कोटा बीईओ रहते हुए विजय टांडे पर एक महिला ने मृत शिक्षक पति के रुके हुए वेतन और अन्य भुगतान के बदले 1.35 लाख रुपए रिश्वत मांगने की शिकायत की थी कलेक्टर ने मामले में जांच के निर्देश दिए थे जांच के लिए गठित टीम में बिल्हा बीईओ भूपेंद्र कौशिक समेत अन्य सदस्य थे समिति ने डीईओ को जांच के बाद क्लीनचिट दे दी थी। इस मामले में भी बिल्हा बीईओ को शामिल किया गया है आरोप है कि टांडे के कोटा बीईओ रहने के दौरान भृत्य देवेंद्र कुमार पालके को 495420 वेतन भुगतान और 354000 वर्दी धुलाई भत्ता देने का मामला सामने आया था इस पूरे मामले में उनकी भूमिका भी संदिग्ध थी उन्होंने कार्यकाल में पदस्थ भृत्य को गोपनीय मेकर और चेकर आईडी दे रखी थी वित्तीय शक्तियां देकर कर्मचारियों का वेतन भी भृत्य से ही बनवा रहे थे, जिससे लाखों रुपए वेतन के माध्यम से निकाले

दो बच्चियों से बेड टच चॉकलेट का लालच देकर अश्लील हरकत करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। फिजिकल थाना क्षेत्र में दो छह वर्षीय बच्चियों के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है शाम हुई इस घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी देखी गई गुस्साए परिजनों ने आरोपी बल्लू साहू को पकड़ लिया और उसे सीधे थाने ले गए आरोप है कि बच्चियां घर के बाहर गली में खेल रही थीं इसी दौरान एक युवक ने उन्हें चॉकलेट देने का लालच दिया और उनके साथ गलत तरीके से छेड़छाड़ की घटना के बाद एक बच्ची घर पहुंची और अपने परिजनों को पूरी बात बताई इसके बाद परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे वहां दूसरी बच्ची ने भी युवक की हरकत के बारे में बताया इसके बाद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसे लेकर थाने पहुंच गए घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग थाने के बाहर इकट्ठा हो गए लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया कुछ लोग आरोपी का जुलूस निकालने की मांग भी कर रहे थे।

जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया स्थिति संभालने के लिए फिजिकल थाना प्रभारी नम्रता भदोरिया सबसे पहले मौके पर पहुंचीं और लोगों को शांत कराने की कोशिश की इसके बाद कोतवाली थाना प्रभारी कृपाल सिंह राठौड़ भी थाने पहुंचे।

खेल प्रतियोगिताओं के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, महिलाओं ने दिखाया दमखम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन भरतपुर और युवा खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी आत्मानंद विद्यालय, में एक गरिमामय और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से जिले की महिलाओं ने अपनी शानदार प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना के साथ हुई दिया शर्मा ने दीप मंत्र प्रस्तुत कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की इसके बाद कबड्डी, वॉलीबॉल, शतरंज, 100 मीटर दौड़, गोला फेंक और लंबी कूद जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़ में खड़गवां की कौशल्या ने प्रथम, मनेंद्रगढ़ की

माही ने द्वितीय और खड़गवां की फुल कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक प्रतियोगिता में खड़गवां की पार्वती ने प्रथम, राजकुमारी (खड़गवां) ने द्वितीय और अमृता ने तृतीय स्थान हासिल किया। लंबी कूद प्रतियोगिता में मनेंद्रगढ़ की माही ने प्रथम, अनीशा ने द्वितीय और राजकुमारी (खड़गवां) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव ने कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी महिलाओं को प्रोत्साहित किया और कहा कि महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण से ही समाज और राष्ट्र का समग्र विकास संभव है विशिष्ट अतिथियों के रूप में नगर पंचायत खोंगापानी की अध्यक्ष ललिता यादव जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ की अध्यक्ष जानकी कुसरो और नगर पंचायत झगराखंड की अध्यक्ष रीमा यादव उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला खेल अधिकारी विनोद जायसवाल और उनके सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा कार्यक्रम का संचालन शिवकुमार चौधरी ने किया जबकि अंत में जिला खेल सहायक अधिकारी रणधीर सिंह ठाकुर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन और खेल विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बच्चों को दिया जा रहा था गंदा पानी एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जताई थी आपत्ति

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। यूआईटी कॉलेज परिसर में छात्रों को दिए जा रहे पेयजल की खराब गुणवत्ता का मामला सामने आया है अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के हस्तक्षेप के बाद कॉलेज प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर पानी की टंकियों की सफाई कराई एबीवीपी पदाधिकारियों ने परिसर में स्थित पानी की टंकियों का निरीक्षण किया इस दौरान कई टंकियों में गंदगी, कचरा और पॉलिथीन पाई गई इसके अतिरिक्त, कुछ टंकियों पर ढक्कन भी नहीं लगे थे जिससे छात्रों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका थी विद्यार्थी परिषद द्वारा इस मामले को गंभीरता से उठाए जाने के बाद यूआईटी प्रशासन तुरंत हरकत में आया प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर सभी पानी की टंकियों की सफाई सुनिश्चित की निरीक्षण के समय एबीवीपी अध्यक्ष आयुष दुबे के साथ शुभम धाकड़, अनमोल रावत, अभिषेक वर्मा, प्रशांत धाकड़, प्रशांत कटारे, अभिषेक ओझा, सुमित कुशवाह, उदय आर्य सहित अन्य छात्र मौजूद थे इस संबंध में एबीवीपी अध्यक्ष आयुष दुबे ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमेशा छात्रों के हितों के लिए प्रतिबद्ध रही है।

गैस सिलेंडर की किल्लत एजेंसी स्टाफ ने कहा- ब्लैक में 2500 रुपए तक बिक रहा सिलेंडर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी के कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पिछले दो दिनों से गैस एजेंसियों पर लोगों की भीड़ है लेकिन सप्लाई न होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है हालात यह हैं कि शहर में घरेलू सिलेंडरों की कालाबाजारी की शिकायतें सामने आ रही हैं वहीं कमर्शियल गैस की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है शहर की कई गैस एजेंसियों के बाहर लोग सिलेंडर की तलाश में भटकते देखे गए फतेहपुर निवासी समीर सिंह ने बताया कि जब वे एक गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने पहुंचे तो कर्मचारियों ने उन्हें यह कहकर लौटा दिया कि 'हमारे पास सिलेंडर नहीं हैं कलेक्टर से मांगो' इस जवाब के कारण मौके पर कुछ देर के लिए बहस की स्थिति भी बन गई। सर्वर डाउन और नंबर बंद होने से बुकिंग में परेशानी एजेंसी कर्मचारियों का तर्क है कि सर्वर डाउन होने और पीछे से पर्याप्त सप्लाई न मिलने के कारण गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है इसके अलावा, गैस बुकिंग के लिए जारी किए गए कई फोन नंबर भी अस्थायी रूप से बंद आ रहे हैं जिससे उपभोक्ताओं को गैस बुक कराने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है 60 रुपए महंगा हुआ सिलेंडर, ब्लैक में 2500 तक कीमत बाजार में गैस की कमी के बीच कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। कुछ उपभोक्ताओं का आरोप है कि घरेलू सिलेंडर ब्लैक में 2500 रुपए तक में बेचे जा रहे हैं इस बीच घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में भी 60 रुपए की वृद्धि हुई है, जिसके बाद अब यह 983 रुपए में मिल रहा है। कमर्शियल सप्लाई 3 दिन से ठप लकड़ी पर खाना बनाने को मजबूर लोग पिछले तीन दिनों से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई भी प्रभावित है और अब यह पूरी तरह बंद बताई जा रही है इससे शादी के सीजन में होटल, रेस्टोरेंट, डेयरी और मैरिज गार्डन संचालकों की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं गैस की इस किल्लत के कारण शहर के कई घरों में लोगों को मजबूरन लकड़ियों और चूल्हों पर खाना बनाना पड़ रहा है।

पीएम किसान उत्सव दिवस के साथ किसानों को मिलेगा तोहफा, डीबीटी से जारी होगी 22वीं किस्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है 13 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के गुवाहाटी से देशभर के किसानों के खातों में योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे इस अवसर पर जिले के 28,145 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से कुल 5.63 करोड़ रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी उप संचालक कृषि कार्यालय मनेंद्रगढ़ से प्राप्त जानकारी के

अनुसार प्रत्येक पात्र किसान के खाते में 2,000 रुपये की राशि जमा होगी यह आर्थिक सहायता किसानों को कृषि कार्यों के लिए दी जाती है जिससे वे खेती से जुड़े आवश्यक खर्चों को आसानी से पूरा कर सकें। भारत सरकार के निर्देशानुसार इस दिन जिले में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' भी मनाया जाएगा कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर किसान गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा जिसमें किसानों को योजना से संबंधित जानकारी दी जाएगी साथ ही प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण (वेबकास्ट) भी किसानों को दिखाया जाएगा। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि योजना का लाभ सुचारू रूप से प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी कर लें इसके लिए किसानों को e-KYC पूरा करना बैंक खाते को आधार से लिंक कराना, आधार सीडिंग करवाना तथा AgriStack पोर्टल पर Farmer ID बनवाना जरूरी है। इन सभी प्रक्रियाओं के लिए किसान अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र, किसान चॉइस सेंटर या विकासखंड स्तर के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

सराफा कारोबारी पिता-पुत्र ने बंधक बनाकर की मारपीट नगरपरिषद के पूर्व अध्यक्ष है आरोपी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। माखननगर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष और सराफा व्यापारी पिता-पुत्र पर एक टेंट हाउस संचालक को बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है ग्राम सोनतलाई निवासी टेंट हाउस व्यापारी बृजमोहन यादव की शिकायत पर माखननगर थाने में कांग्रेस नेता मिलन डेरिया और उनके बेटे अमन डेरिया के खिलाफ मारपीट और बंधक बनाने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है पुलिस के अनुसार पूरा मामला उधारी के पैसों के लेनदेन से जुड़ा हुआ है बृजमोहन यादव ने अपनी शिकायत में बताया कि वह टेंट हाउस का व्यवसाय करता है और अमन डेरिया ने उसके खिलाफ चेक बाउंस का केस लगाया था इस मामले में 6 मार्च 2026 को नर्मदापुरम न्यायालय में पेशी थी वहीं समर्थ डेरिया से मुलाकात हुई जिसने उसे समझौते के लिए माखननगर स्थित दुकान पर आने को कहा शिकायतकर्ता के अनुसार 10 मार्च की रात करीब 8 बजे वह अमन डेरिया की दुकान पर पहुंचा वहां करीब 1 लाख रुपए का हिसाब बताया गया। बृजमोहन यादव ने कहा कि वह 60 हजार रुपए पर 2.5 प्रतिशत के हिसाब से ढाई साल का ब्याज देने के लिए तैयार है। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया आरोप है कि अमन डेरिया ने उसे गालियां देना शुरू कर दीं। इसके बाद मिलन डेरिया ने दुकान का गेट बंद कर दिया और उसके हाथ पकड़ लिए।

नरवाई जलाने पर किसान पर लगा 15 हजार का जुर्माना

खंडवा में ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पटवारी ने बनाया पंचनामा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में खेतों में नरवाई जलाने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पंधाना तहसील के ग्राम पाबई खुर्द में गेहूं की नरवाई जलाने पर एक किसान पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही कृषि विभाग ने किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील की है।

नरवाई जलाने के मामलों पर प्रशासन की सख्ती : जिले में लगातार खेतों में नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि खेतों में नरवाई जलाने से पर्यावरण और जमीन दोनों को नुकसान पहुंचता है।

नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता को नुकसान : कृषि विज्ञान केंद्र के

वैज्ञानिकों ने बताया कि खेतों में नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता पर बुरा असर पड़ता है। इससे जमीन की ऊपरी परत को नुकसान होता है, जिसमें पौधों के लिए जरूरी पोषक तत्व मौजूद रहते हैं।

उपयोगी सूक्ष्म जीव आग में हो जाते हैं नष्ट : उपसंचालक कृषि नितेश यादव के अनुसार, खेत की ऊपरी मिट्टी में पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व और कई तरह के उपयोगी सूक्ष्म जीव होते हैं। जब खेत में नरवाई को आग लगाई जाती है तो ये सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। इससे जमीन की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जमीन कठोर हो जाती है, पानी सोखने की क्षमता घटती है : उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने से मिट्टी की संरचना भी प्रभावित होती है। जमीन कठोर हो जाती है और उसकी जल ग्रहण करने की क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण खेत में बोई गई फसलें जल्दी सूखने लगती हैं। कृषि विभाग के अनुसार, नरवाई जलाने से वातावरण का तापमान भी बढ़ता है। इसके साथ ही मिट्टी में मौजूद कार्बन और नाइट्रोजन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे फसलों की वृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ता है।

केंचुओं की संख्या कम होने से मिट्टी की गुणवत्ता घटती है : नरवाई जलाने से मिट्टी में रहने वाले केंचुओं की संख्या भी कम हो जाती है। केंचुए मिट्टी को उपजाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके कम होने से मिट्टी में वायु संचार भी प्रभावित होता है और जैव विविधता पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। पंधाना तहसील के ग्राम पाबई खुर्द में किसान हेमराज पिता मेहताप सिंह, निवासी इंदौर के खेत में गेहूं की नरवाई जलाने का मामला सामने आया। किसान ने करीब 10 एकड़ जमीन में गेहूं की फसल बोई थी और कटाई के बाद खेत में बची नरवाई को आग लगा दी गई। खेत में आग लगते देख आसपास के ग्रामीणों ने इसकी सूचना पटवारी को दी। इसके बाद शनिवार को पटवारी आकृति मेहता, रोजगार सहायक, कोटवार और ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचीं।

मौके पर पहुंचकर तैयार किया गया पंचनामा : टीम ने खेत का निरीक्षण किया और पूरे मामले का पंचनामा तैयार किया। जांच के बाद यह पुष्टि हुई कि खेत में गेहूं की नरवाई को आग लगाई गई थी। मामले को गंभीर मानते हुए पंधाना तहसीलदार दिवाकर सुल्या ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों के तहत कार्रवाई की। किसान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 15 हजार रुपए का चालान किया गया। कृषि विभाग ने किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील करते हुए इसके वैकल्पिक उपाय भी बताए हैं। विभाग के अनुसार, कंबाइन हार्वेस्टर, भूसा बनाने की मशीन, रोटावेटर, हैप्पी सीडर, सुपर सीडर और जीरो टिलेज जैसी मशीनों की मदद से नरवाई को हटाया।

खरगोन में कुएं में मिले 3 बच्चों के शव:माता-पिता गए थे मजदूरी करने

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के सनावद थाना क्षेत्र के अंतर्गत मलगांव और भोमवाड़ा के बीच एक खेत के कुएं से तीन बच्चों के शव बरामद हुए हैं। घटना के वक्त बच्चों के माता-पिता मजदूरी करने गए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मलगांव निवासी मुकेश भमोरिया के खेत में एक परिवार मजदूरी करने के लिए आया था और यहीं रहता था। घटना के समय बच्चों के परिजन मजदूरी पर गए हुए थे और तीनों बच्चे घर पर थे। खेत में पहुंचे अन्य लोगों ने कुएं में बच्चों के शव देखे, जिसके बाद तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

मृतकों में 20 दिन का शिशु भी शामिल : कुएं से बरामद किए गए तीनों बच्चों की उम्र बेहद कम है।

मृतकों में शामिल : करण (उम्र 4 वर्ष),अर्जुन (उम्र 2.5 वर्ष),एक 20 दिन का शिशु, अधिकारी मौके पर पहुंचे, मामले की जांच जारी, सूचना मिलते ही बड़वाह एसडीओपी अर्चना रावत और सनावद टीआई धर्मेंद्र यादव घटनास्थल पर पहुंचे। इनके साथ तहसीलदार केसी सोलंकी भी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने शवों को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सनावद अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस इस घटना के सभी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

बैतूल में नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म10 दिन बाद आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल बाजार पुलिस ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने वाले दिन ही पीड़िता को सुरक्षित बरामद कर लिया था, जबकि फरार आरोपी को 10 दिन बाद घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी को आज (बुधवार) न्यायालय में पेश किया जाएगा। बैतूल बाजार थाने में 1 मार्च को सूचना मिली थी कि एक नाबालिग बालिका को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर ले गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत अपहरण की एफआईआर दर्ज की और संभावित स्थानों पर तलाश शुरू कर दी।

ससुंद्रा जोड़ हाईवे पर मिली थी पीड़िता, बताई आपबीती : थाना प्रभारी अंजना धुर्वे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए उसी दिन नाबालिग को ससुंद्रा जोड़ हाईवे के पास से सुरक्षित बरामद कर लिया था। पूछताछ के दौरान बालिका ने पुलिस को बताया कि उमनपेठ निवासी ओमप्रकाश धुर्वे उसे बहला-फुसलाकर ले गया था और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई।

मुखबिर की सूचना पर गांव से पकड़ाया फरार आरोपी : घटना के बाद से ही आरोपी ओमप्रकाश धुर्वे पुलिस से छिपकर फरार चल रहा था। 10 मार्च की सुबह पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि आरोपी अपने घर (ग्राम उमनपेठ) आया हुआ है। सूचना की तस्दीक होते ही पुलिस टीम ने गांव पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कार्रवाई में इन पुलिसकर्मियों की रही भूमिका : इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अंजना धुर्वे, उपनिरीक्षक रश्मि ठाकुर, महिला आरक्षक अंकिता शर्मा, आरक्षक नितिन चौहान, अनिरुद्ध यादव, माखनपाल (थाना बैतूल बाजार), प्रधान आरक्षक राजकुमार, आरक्षक विनोद साहू और सैनिक मुंशीलाल (थाना साईखेड़ा) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नीमच में पारा 36 डिग्री पार:शुष्क मौसम और तेज धूप से बढ़ा तापमान

मीडिया ऑडीटर, नीमच (निप्र)। नीमच जिले में मार्च के महीने में ही गर्मी का प्रकोप तेज हो गया है। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले एक सप्ताह से तापमान में हो रही निरंतर वृद्धि के कारण दिन के साथ-साथ अब रातों के तापमान में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। ती तपिश के कारण दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है। नीमच शहर सहित मनासा, रामपुरा, कुकड़ेश्वर, जावद और सिंगोली क्षेत्रों में लोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। बाजारों में अब केवल सुबह और शाम के समय ही चहल-पहल देखी जा रही है। बढ़ती गर्मी से बचने के लिए नागरिक विभिन्न सुरक्षा उपाय अपना रहे हैं। दुपहिया वाहन चालक चेहरों पर रुमाल और गमछा बांधकर निकल रहे हैं, वहीं महिलाएं स्कार्फ का उपयोग कर रही हैं। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए बाजारों में गन्ने का रस, छाछ, लस्सी और अन्य शीतल पेय पदार्थों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ गई है।

मेरिका-ईरान युद्ध- 4 लाख टन बासमती चावल फंसा रायसेन का चावल ईरान, ईराक, जॉर्डन कुवैत

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। मध्य प्रदेश के बासमती चावल कारोबार पर अमेरिका-ईरान इजरायल युद्ध का बड़ा असर पड़ा है। युद्ध के कारण निर्यात पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे करीब 4 लाख टन चावल रास्ते में फंसा हुआ है। निर्यात रुकने और नई मांग न होने के कारण घरेलू बाजार में बासमती चावल की कीमतों में प्रति क्विंटल 1000 रुपये तक की गिरावट दर्ज की गई है। युद्ध का असर कृषि व्यापार पर भी पड़ने लगा है। रायसेन जिले का बासमती चावल ईरान, ईराक, जॉर्डन, कुवैत, दुबई समेत खाड़ी देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। स्थानीय व्यापारी यह चावल एक्सपोर्टरों को उपलब्ध कराते हैं। कृषि उपज मंडी के व्यापारी मनोज सोनी ने बताया कि खाड़ी देशों से मांग में कमी के संकेत मिल रहे हैं। यदि निर्यात प्रभावित रहा तो पूसा बासमती धान के दाम 300 से 500 रुपए प्रति क्विंटल तक गिर सकते हैं। इसका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। मध्य एशिया में जारी इस संघर्ष का सीधा प्रभाव भारत के बासमती चावल व्यापार पर पड़ रहा है। पिछले दो दिनों से निर्यात पूरी तरह से रुका हुआ है, जिससे बाजार में मांग में भारी कमी आई है।

ईरान सहित खाड़ी देशों में बासमती सेला 1509, 1121, सुगंधा और शरबती जैसे चावलों की अत्यधिक मांग रहती है, लेकिन मौजूदा हालात के चलते चावल के कंसाइनमेंट समुद्र या बंदरगाहों में फंसे हुए हैं।रायसेन जिले से भी बड़ी मात्रा में बासमती चावल का विदेशों में निर्यात होता है। राइस मिलर एसोसिएशन के सदस्य सचिन वर्मा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण बासमती चावल के निर्यात पर लगने वाला टैक्स बढ़ गया है, जिससे निर्यात कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

सचिन वर्मा ने आगे बताया कि भारत से बड़ी मात्रा में बासमती चावल ईरान सहित कई देशों में निर्यात किया जाता है। हालांकि, युद्ध और समुद्री रास्तों में अनिश्चितता के कारण व्यापारियों की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। पहले जहां एक कंटेनर का शिपिंग खर्च लगभग 2000 डॉलर था, वहीं अब यह बढ़कर करीब 9000 डॉलर प्रति कंटेनर तक पहुंच गया है। लगातार बढ़ती लागत और टैक्स के कारण निर्यात कारोबार लगभग ठप होने की कगार पर है।

सीहोर- गेहूं फसल में आग गेहूं जलकर नष्ट

मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सीहोर,एजेंसी। सीहोर जिले के झागरिया रोड पर आज एक खेत में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे खेत में फैल गई, जिससे गेहूं की खड़ी फसल जलकर नष्ट हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में राहगीर और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। आग लगने के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का काफी प्रयास किया। राहगीरों ने तत्काल फायर ब्रिगेड टीम को भी सूचना दी, जिसके बाद बमुश्किल आग पर काबू पाया जा सका। जिले में जैसे-जैसे गर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है, खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। यह इस सप्ताह की ऐसी कई घटनाओं में से एक है। बताया गया है कि इस सप्ताह सीहोर जिले के निपानिया खुर्द, मोहाली, बडबेली, नोनी खेड़ी, डाबोटी, चार मंडली और इछावर के नजदीक खेतों में भी आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

मंदसौर में मिनी ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर तीन रिश्तेदार घायल, चालक वाहन सहित फरार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के पीपलखूंटा क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी और चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार दो पुरुष और एक महिला गांव डिगाव से पीपलखूंटा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सामने से आए एक मिनी ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए, जबकि मिनी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में भरतनाथ (50) निवासी पीपलखूंटा, भेरूनाथ (45) निवासी असावती और सुगनबाई (45) निवासी असावती घायल हो गए। तीनों आपस में रिश्तेदार हैं। बताया जा रहा है कि भरतनाथ के जीजा भेरूनाथ और बहन सुगनबाई उनके साथ बाइक पर सवार थे।

बाइक भेरूनाथ चला रहे थे, बीच में भरतनाथ बैठे थे और पीछे सुगनबाई बैठी हुई थीं। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने तुरंत तीनों घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार हादसे में सबसे ज्यादा चोट भरतनाथ को आई है। उनके हाथ और पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं।

छतरपुर में ट्रैक्टर की बैटरी चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार, यूपी का रहने वाला है युवक

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले की चंदला थाना पुलिस ने ट्रैक्टर की बैटरी चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई बैटरी और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। बुधवार को पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। चंदला थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 निवासी रामू सेन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि बंशिया रोड पर खड़े उनके स्वराज ट्रैक्टर से किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैटरी चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (ब्हस) की संबंधित धाराओं के तहत चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मुखबिर की सूचना पर यूपी के युवक की गिरफ्तारी : मुखबिर तंत्र और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के दौरान पुलिस को इस चोरी में एक युवक के शामिल होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी धीरू रैकवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी धीरू मूल रूप से ग्राम बछैड़ा, थाना नरैनी, जिला बांदा (उत्तर प्रदेश) का निवासी है और वर्तमान में चंदला में ही रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक्साइड कंपनी की चोरी की गई बैटरी और वारदात में इस्तेमाल की गई टीवीएस स्पोर्ट मोटरसाइकिल बरामद की है। इस पूरी कार्रवाई में लवकुश नगर एसडीओपी नवीन दुबे के मार्गदर्शन और चंदला थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप दीक्षित के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में सहायक उप निरीक्षक के.एल. वर्मा, प्रधान आरक्षक राजेश और आरक्षक छोटेलाल, शिवम, कमल, अतुल, राजेंद्र, फूल, कुलदीप, बलबीर, हरपाल और प्रवीण शामिल थे।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में अवैध मछली पकड़ने पर विवाद

नर्मदापुरम में दबंग मछुआरों ने वनकर्मी को धमकाया समझौते के दबाव में दुकानदार को पीटा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कामती रेंज क्षेत्र में देनवा नदी के कोर इलाके में अवैध मछली पकड़ने को लेकर विवाद सामने आया है। आरोप है कि मछली पकड़ने से रोकने पर कुछ युवकों ने वनकर्मी को धमकी दी और उसकी बाइक में तोड़फोड़ कर दी। बाद में समझौते का दबाव बनाने के लिए एक दुकानदार के साथ बेल्ट से मारपीट कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है।

अवैध रूप से मछली पकड़ने से शुरू हुआ विवाद : वन परिक्षेत्र कामती में पदस्थ वनरक्षक जितेंद्र नायर इस समय सोनभद्रा मेल जल बीट में तैनात हैं और नाव से क्षेत्र में गश्त करते हैं। देनवा नदी के आसपास घना जंगल होने के कारण कई बार आसपास के गांवों के लोग कोर क्षेत्र में घुसकर अवैध रूप से मछली पकड़ने की कोशिश करते हैं। इसे रोकने के लिए वन विभाग की टीम नियमित रूप

से निगरानी करती है। 2 मार्च को वनरक्षक अपनी बाइक देनवा नदी किनारे मोटर बोट खड़ी करने वाली जगह पर रखकर सोनभद्रा मेल कैंप चले गए थे। 4 मार्च को जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हालत में मिली। आसपास के लोगों से पूछताछ में संदेह सोहागपुर निवासी संदीप कुशवाहा और राहुल कहार पर गया।

मछली पकड़ने से मना करने पर दी धमकी: बताया गया कि दोनों युवक पहले भी कोर क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने आते रहे हैं। वनकर्मी द्वारा रोकने पर उन्होंने नाराजगी जताई। आरोप है कि दोनों ने बाइक में तोड़फोड़ की और वनकर्मी को गाली-गलौज करते हुए जंगल में जिंदा गाड़ देने की धमकी भी दी।

पहले भी दर्ज हो चुका है वन अपराध का मामला : वन विभाग के अनुसार संबंधित युवकों के खिलाफ पहले भी बफर क्षेत्र में अवैध प्रवेश कर मछली पकड़ने का वन अपराध प्रकरण दर्ज किया जा चुका है। हाल ही में वन विभाग की टीम ने उनके खिलाफ कार्रवाई भी की थी। वनकर्मी की शिकायत के बाद आरोपियों ने समझौता कराने के लिए एक दुकानदार को निशाना बनाया। सोहागपुर में मोटर बाइंडिंग का काम करने वाले मयंक मीणा ने बताया कि वनरक्षक उसका परिचित है और उसका दुकान पर आना-जाना रहता है।

बेल्ट से पीटा, कंधे और सिर में आई चोट : मयंक के अनुसार 8 मार्च की शाम करीब साढ़े सात बजे वह रेलवे स्टेशन रोड पर एक दुकान के पास खड़ा था।बाद में समझौते का दबाव बनाने के लिए एक दुकानदार के साथ बेल्ट से मारपीट कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। तभी बाइक से शंकर बंगाली और संदीप कुशवाहा वहां पहुंचे और शिकायत में समझौता कराने की बात कहने लगे। मना करने पर दोनों भड़क गए। आरोप है कि संदीप ने उसे पकड़ लिया और शंकर बंगाली ने बेल्ट से मारपीट कर दी, जिससे उसे कंधे और सिर के पीछे चोट आई।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, जांच जारी : मयंक मीणा ने मंगलवार को थाने पहुंचकर दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि मारपीट के मामले में अपराध दर्ज कर लिया गया है। वहीं वनकर्मी की बाइक में तोड़फोड़ और धमकी देने की शिकायत की भी पुलिस जांच कर रही है।

'पिछली 3 में से दो वनडे सीरीज हम हारे'

चैंपियन बनने के बावजूद क्यों खुश नहीं गौतम गंभीर

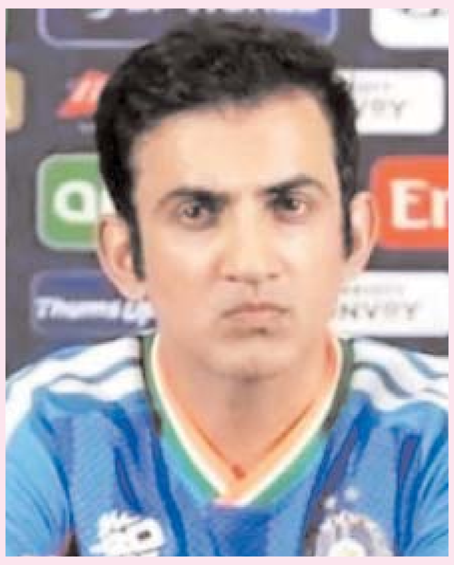

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने नाम के हिसाब से हमेशा गंभीर ही रहते हैं। टीम इंडिया के विश्व कप जीतने के बाद भी उनका रिएक्शन खास एग्रेसिव नहीं था। वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी जब गौतम कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ आए तो उन्होंने मीडिया के सवालों का काफी गंभीर रहते हुए जवाब दिया। इसी बीच एक सवाल में उन्होंने वनडे सीरीज में हार का भी जिक्र कर दिया। इससे साफ नजर आ रहा था कि ऑल फॉर्मेट कोच होने के नाते वह खुश नहीं हैं और इशारों-इशारों में वनडे टीम पर निशाना साधा।

गौतम गंभीर जब भी मीडिया के सामने आते हैं तो अपने बेबाक बोल से कुछ ना कुछ सुर्खियां जरूर बटोरते हैं। इसी बीच टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद जब गौतम मीडिया से रूबरू हुए तो उन्होंने एक सवाल का जवाब देत हुए वनडे सीरीज की हार का जिक्र कर दिया। इसके बाद फैंस का यह मानना था कि हेड कोच अभी भी पूरी तरह खुश नहीं हैं।

क्या बोले हेड कोच गौतम गंभीर?

दरअसल प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक रिपोर्टर ने सवाल किया, 'भारत ने सिर्फ दो मैच पिछले चार आईसीसी टूर्नामेंट में गंवाए हैं। क्या अब हम कहे सकते हैं कि यह भारतीय क्रिकेट टीम का एरा है।' इसके जवाब में गौतम गंभीर दो टूक जवाब देते हैं और भारत की पिछली तीन में से दो वनडे सीरीज में हार का जिक्र कर दिया। गौतम गंभीर ने कहा, 'देखिए व्हाइट बॉल क्रिकेट की तो मैं बात नहीं करूंगा। क्योंकि व्हाइट बॉल में तो हम पिछली तीन में से दो वनडे सीरीज हारे हैं। अगर एरा होता तो हम वह दोनों सीरीज नहीं हारते। वहीं आईसीसी टूर्नामेंट की बात करें तो यह अलग चीज है। प्रेशर अलग होता है आईसीसी टूर्नामेंट में, लेकिन मैं किसी एरा पर विश्वास नहीं करता। हम जब भी देश के लिए खेलें कुछ ही हो हमें अच्छा खेलना होता है। ' दरअसल गौतम गंभीर ने जिन दो वनडे सीरीज में हार का जिक्र किया उसमें से एक वनडे सीरीजी टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई थी।

इशान किशन से उम्र में बड़ी हैं गर्लफ्रेंड अदिति

भारत के टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद दोनों साथ आए नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया और अपनी धरती पर पहली बार ये खिताब जीतने का कमाल किया। भारत को फाइनल में जीत मिली और इसमें इशान किशन की अर्धशतकीय पारी साथ ही साथ उनकी बेहतरीन फील्डिंग का भी शानदार योगदान रहा। भारत के चैंपियन बनने के बाद हर खिलाड़ी अपने-अपने तरीके से इस जीत के सेलीब्रेट करता नजर आया और इशान ने भी इसे अपनी गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया के साथ सेलीब्रेट किया।

अदिति ने इशान किशन को दी बधाई

भारत की जीत के बाद इशान किशन की गर्लफ्रेंड अदिति मैदान पर आई और उन्हें गले लगाकर बधाई दी। दोनों की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ऐसा पहली बार हुआ जब इशान इस तरह से खुलकर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नजर आए। अदिति और इशान की जो तस्वीर वायरल हो रही है उसमें अदिति ने लाल रंग का टॉप पहना हुआ था और वो काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं जबकि इशान किशन ने भारतीय तिरंगा लपेट रखा था।

इशान से उम्र में बड़ी हैं अदिति- इशान किशन और अदिति की उम्र की बात करें तो दोनों के बीच डेढ़ साल का फासला है। इशान किशन का जन्म 18 जुलाई 1998 को पटना में हुआ था और वो 27 साल के हैं। हालांकि 28 जुलाई 2026 को वो 28 साल के हो जाएंगे। वहीं अदिति की बात करें तो उनका जन्म 15 जनवरी 1997 को हुआ था और वो अभी 29 साल की हैं। अदिति पेशे से मॉडल हैं और वो जयपुर, राजस्थान से हैं। वह फेमिना मिस इंडिया 2017 की फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने मिस दिवा 2018 का खिताब जीता था।

इशान ने बनाए 317 रन

इशान किशन के लिए ये वर्ल्ड कप काफी खास रहा जिसमें उन्होंने जमकर रन बनाए। फाइनल में इशान ने बेहतरीन पारी खेली और 25 गेंदों पर 4 छक्के और 4 चौकों के साथ 54 रन की अहम पारी खेली और उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 216.00 का रहा। यही नहीं इशान इस टूर्नामेंट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बैटर रहे और 9 मैचों में उन्होंने कुल 317 रन 3 अर्धशतक की मदद से बनाए साथ ही साथ वो ओवरऑल इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में चौथे नंबर पर रहे।

आईसीसी ने चुनी टी20 वर्ल्ड कप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट, 4 भारतीय शामिल

संजू-साहिबजादा ओपनर, सूर्या नहीं यह खिलाड़ी कप्तान

आईसीसी द्वारा टी20 वर्ल्ड कप 2026 में प्रदर्शन के लिहाज से टीम ऑफ द टूर्नामेंट चुनी गई है। आईसीसी द्वारा चयनित 12 सदस्यीय टीम में सबसे ज्यादा चार भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट संजू सैमसन को बतौर ओपनर और विकेटकीपर चुना गया है।

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी द्वारा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद टीम ऑफ द टूर्नामेंट चुनी गई है। आईसीसी ने अपनी इस खास टीम में 11 प्रमुख खिलाड़ी और एक 12वें खिलाड़ी को चुना है। इस टीम में कप्तान साउथ अफ्रीका के एडेन मार्कराम को बनाया गया है। वहीं भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को इसमें जगह नहीं मिली है। संजू सैमसन को बतौर ओपनर और विकेटकीपर चुना गया है। साथ ही इशान भी इस टीम का हिस्सा हैं।

आईसीसी की इस टीम ऑफ द टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चार विश्व विजेता भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं इसके अलावा दो-दो खिलाड़ी साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के इस टीम में शामिल हैं। पाकिस्तान, जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज के एक-एक खिलाड़ी को इस टीम में आईसीसी ने शामिल किया है। रनर अप न्यूजीलैंड का कोई भी खिलाड़ी शामिल नहीं है।

पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान जो लीडिंग रन स्कोरर रहे, उन्हें संजू के साथी ओपनर के तौर पर चुना गया है। इशान किशन नंबर 3 पर टीम में शामिल हैं। इशान भी चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में शानदार गेंदबाजी करने वाले यूएसए के शैडली शान शाल्कविक को भी 12वें खिलाड़ी के तौर पर जगह मिली है।

भारत के चार कौन-कौन से खिलाड़ी शामिल?

आईसीसी द्वारा टी20 वर्ल्ड कप 2026 में प्रदर्शन के लिहाज से चुनी गई टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भारत के चार खिलाड़ी शामिल हैं। संजू सैमसन और इशान किशन के साथ हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह को इस टीम में जगह मिली है। जिम्बाब्वे की टीम ने इस बार सभी को प्रभावित किया और ब्लेसिंग मुजरबानी को भी इस टीम में जगह मिली।

ये है आईसीसी द्वारा चुनी गई टीम ऑफ द टूर्नामेंट- साहिबजादा फरहान, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, एडेन मार्कराम (कप्तान), हार्दिक पंड्या, विल जैक्स, जेसन होल्डर, जसप्रीत बुमराह, लुंगी एनगिडी, आदिल रशीद, ब्लेसिंग मुजरबानी, शैडली शान शाल्कविक (12वें खिलाड़ी)।

मिनर्वा अकादमी एफसी का विजय रथ जारी

पंजाब एफसी को 2-1 से हराकर लीग में पूरा किया जीत का डबल

चंडीगढ़, एजेंसी। एआईएफएफ जूनियर लीग में मिनर्वा अकादमी एफसी का अजेय अभियान थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में मिनर्वा ने अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी पंजाब एफसी को उनके घर में 2-1 से शिकस्त दी। इस सीजन में यह दूसरी बार है जब मिनर्वा ने पंजाब एफसी को हराया है। मुकाबला शुरुआत से ही हाई-वोल्टेज रहा, जिसमें दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल दिखायाः लैशराम महेश सिंह का जलवाः मैच शुरू होते ही पहले मिनट में लीग के टॉप स्कोरर लैशराम महेश सिंह ने गोल दागकर मिनर्वा को मनोवैज्ञानिक बढ़त दिला दी।

पंजाब एफसी की वापसी

पंजाब के दीपक ने मिनर्वा की डिफेंस की एक चूक का फायदा उठाया और गोल कर स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। हाओकिप का निर्णायक गोलः दूसरे हाफ में लुंजलैथांग हाओकिप ने बॉक्स के भीतर कमाल का नियंत्रण दिखाया और अपने दाएं पैर से सटीक निशाना साधते हुए गेंद को जाल में पहुंचा दिया। यह गोल अंततः निर्णायक साबित हुआ।

'हर पल साथ रहने के लिए शुक्रिया'

टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले संजू सैमसन ने जीत के जश्न के बीच इंस्टाग्राम पर पत्नी चारुलता रमेश के लिए दिल छू लेने वाला संदेश लिखा और हर पल साथ देने के लिए उनका आभार जताया।

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ एक भावुक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भी चर्चा में हैं। टी20 विश्व कप जीत के जश्न के बीच संजू सैमसन ने नौ मार्च 2026 को इंस्टाग्राम पर पत्नी चारुलता रमेश के लिए दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। इसमें उन्होंने जीवन के हर उतार-चढ़ाव में साथ देने और क्रिकेट के प्रति अपने जुनून को समझने के लिए उनका खास तौर पर धन्यवाद किया। संजू सैमसन ने पत्नी चारुलता के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जिस दिन से मैं तुमसे मिला, मेरे जीवन के इस दिन तक...!! मेरे साथ रहने, मुझे वैसे ही प्यार करने और मेरे प्रति बिल्कुल सच्चे और ईमानदार रहने के लिए तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद। चाहे मैं बाहरी दुनिया के लिए कुछ भी था..।

तुमने मेरा सबसे अच्छा समय देखा, मेरा सबसे बुरा समय देखा, तुमने सब कुछ देखा और फिर भी मेरे साथ मजबूती से खड़ी रही..!!'

संजू सैमसन ने आगे लिखा, 'मेरे जीवन में क्रिकेट कितना बड़ा है, यह समझने और इसे खुद के लिए भी वैसा ही बनाने के लिए तुम्हारा धन्यवाद..। ...और तुमने उसी जुनून और तीव्रता के साथ कामना की और सपना देखा जैसा मैंने इस पल के लिए किया था..। मेरी प्यारी पोंडत्तीीीीीीीी..... का बहुत-बहुत धन्यवाद।' संजू सैमसन की पोस्ट पर भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मजेदार कमेंट किया। सूर्यकुमार यादव ने लिखा, 'चीता और चीचीीीीीी।' इसके बाद उन्होंने रेड हार्ट वाली इमोजी भी पोस्ट की।

केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में विझिंजम के पास एक तटीय गांव पुल्लुविला में एक मलयाली ईसाई परिवार में 11 नवंबर 1994 को जन्में संजू सैमसन ने 2018 में गर्लफ्रेंड चारुलता रमेश से शादी की थी। चारुलता रमेश हिंदू हैं और मूल रूप से तिरुवनंतपुरम की ही रहने वाली हैं। संजू और चारुलता की मुलाकात मार इवानियोस कॉलेज में हुई थी। शादी कोवलम में एक निजी समारोह में हुई थी। उनका विवाह विशेष विवाह अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया।

इंग्लैंड ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

हैदराबाद, एजेंसी। उरुग्वे ने सोमवार को जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड में एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर हैदराबाद में पहली जीत दर्ज की। उरुग्वे ने पूल बी के अपने दूसरे मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले में वेल्स को 3-2 से हराया। वहीं, इंग्लैंड ने कोरिया को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उरुग्वे के लिए मैनुएला विलर (29वें मिनट), अगस्टिना डियाज (36वें मिनट), और टेरेसा वियाना (41वें मिनट) ने गोल किए, जबकि वेल्स के लिए अंजा एटकिन (5वें मिनट) और रेचल गुडविन (48वें मिनट) ने गोल किए। इससे पहले, इंग्लैंड ने पूल-ए के मैच में कोरिया को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करते हुए इतने ही मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। लिली वॉकर (16वें मिनट), एलिजाबेथ नील (38वें मिनट) और ग्रेस बाल्सडन (44वें मिनट) ने इंग्लैंड के लिए गोल करके उन्हें तीन प्वाइंट्स दिलाने में मदद की। रविवार को इंग्लैंड ने इटली के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-2 से जीत दर्ज की थी, जबकि कोरिया ने ऑस्ट्रिया को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराया था। इंग्लैंड के लिए ग्रेस बाल्सडन (12वें और 32वें मिनट), लोटी बिंगहैम (15वें मिनट), एलिजाबेथ नील (16वें मिनट) और एना टोमन (27वें मिनट) ने गोल किए, जबकि इटली के लिए इवान्ना पेसिना (19वें मिनट) और फेडेरिका कार्टा ने गोल किए।

टी20 वर्ल्ड कपः फाइनल में आचार संहिता का उल्लंघन करने के कारण

अर्शदीप पर लगा जुर्माना

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अर्शदीप को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.9 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। अर्शदीप के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ दिया गया है, जो पिछले 24 महीने में उनकी पहली गलती है। आर्टिकल 2.9 इंटरनेशनल मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास गलत या खतरनाक तरीके से गेंद (या कोई दूसरा क्रिकेट सामान) फेंकने से जुड़ा है। दरअसल, फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने डेरिल मिचेल को जानबूझकर गेंद फेंक कर मारी थी। यह घटना न्यूजीलैंड की पारी के 11वें ओवर में घटी थी। अर्शदीप की गेंद पर डेरिल मिचेल ने सामने की तरफ शॉट खेला था, जो एक टप्पा खाकर सीधा अर्शदीप के हाथों में गया था। हालांकि, भारतीय तेज गेंदबाज ने मिचेल के क्रीज में होने के बावजूद उनके पैर पर गेंद फेंककर मारी थी। अर्शदीप के इस बर्ताव से कीवी बल्लेबाज काफी नाखुश भी दिखाई दिए थे। हालांकि, बाद में कप्तान सूर्यकुमार और खुद अर्शदीप ने अपने बर्ताव के लिए डेरिल मिचेल से माफी मांगी थी।

अर्शदीप ने खिताबी मुकाबले में की गई अपनी गलती को स्वीकार कर लिया है। इसी कारण सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी। अर्शदीप पर यह चार्ज ऑन-फील्ड अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ, थर्ड अंपायर अल्लाहुद्दीन पालेकर और फोर्थ अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने लगाया है। लेवल 1 के उल्लंघन पर औपचारिक फटकार से लेकर खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत तक का जुर्माना और साथ ही एक या दो डिमेरिट प्वाइंट तक की सजा दी जाती है।

हालांकि, मैच के बाद अर्शदीप और डेरिल मिचेल साथ में नजर आए थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर इन दोनों का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अर्शदीप को मिचेल से यह कहते हुए सुना गया, 'मुझे पता है कि मैं जितनी हो सके माफी मांग सकता हूं, लेकिन सच में मुझे माफ करना।'

मुस्लिम समाज की नई कमेटी का विरोध कलेक्टर से शिकायत कर फर्जी बताया, जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में मुस्लिम समाज के नाम पर गठित एक नई कमेटी विवादों में घिर गई है। समाज के प्रबुद्धजनों और विभिन्न मस्जिदों के पदाधिकारियों ने इसे अवैध बताते हुए जिला कलेक्टर से शिकायत की है। शिकायत में कमेटी को फर्जी करार देते हुए इसकी जांच की मांग की गई है। यह शिकायती पत्र डिप्टी कलेक्टर अश्मिता पटेल को सौंपा गया, जो जिला कलेक्टर के नाम था। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यह कमेटी बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया और समाज की सहमति के बनाई गई है। उनका मानना है कि भविष्य में यह सामाजिक समरसता के लिए खतरा बन सकती है। कलेक्टर को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि नगर के कुछ व्यक्तियों ने 'मैहर मुस्लिम समाज' के नाम से यह कमेटी गठित की है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इसके गठन के दौरान न तो समाज के वरिष्ठजनों को विश्वास में लिया गया और न ही किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया। इसे समाज पर जबरन थोपने का प्रयास बताया जा रहा है। पुरानी कमेटियां संभाल रही जिम्मेदारी मैहर की विभिन्न मस्जिदों की अपनी पुरानी और विधिवत गठित कमेटियां हैं, जो लंबे समय से सामाजिक और धार्मिक व्यवस्थाएं संभाल रही हैं। नई कमेटी के सामने आने के बाद इन मस्जिद कमेटियों ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने लिखित रूप से स्पष्ट किया है कि वे इस कथित नई कमेटी को मान्यता नहीं देती हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि यह कमेटी खुद को पूरे समाज का प्रतिनिधि बताकर प्रशासन और जनता को गुमराह कर रही है। मान्यता न देने की मांग समाज के प्रतिनिधियों ने मांग की है कि इस तथाकथित कमेटी की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही, जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसे किसी भी प्रकार का प्रशासनिक सहयोग या मान्यता न दी जाए। आवेदन में चेतावनी दी गई है कि बिना सहमति की ऐसी कमेटियों से समाज में गुटबाजी और भ्रम पैदा हो रहा है, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर से मांग की है कि भविष्य में किसी भी समाज के नाम पर कमेटी बनाने से पहले संबंधित संस्थाओं की लिखित सहमति और वैधानिक कागजातों की जांच अनिवार्य की जाए।

सिन्धु विकास समिति को जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी द्वारा सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य क्षेत्र की प्रमुख समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति को उनके 34 वर्षों से चल रहे समाज सेवा कार्यों के लिए जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान शपथ ग्रहण समारोह के दौरान दिया गया, जिसमें प्रमुख अतिथियों के रूप में प्रतिमा बागरी जी (राज्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन), एस.पी. चतुर्वेदी जी (विश्व उपाध्यक्ष) दीपिका शर्मा जी (फेडरेशन अध्यक्ष) बसंत शर्मा (शपथ अधिकारी) संरक्षक रवि शंकर गौरी और संस्थाध्यक्ष डॉ. दीपक सोई जी उपस्थित थे। सिन्धु विकास समिति ने पिछले 34 वर्षों से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। संस्था के प्रमुख कार्यों में रक्तदान सेवा और नारायण मुक्तिधाम का नवनिर्माण शामिल है। इन कार्यों के माध्यम से संस्था ने समाज के गरीब और जरूरतमंद वर्ग की मदद की है और समाज में समरसता और एकता का संदेश दिया है। संस्था की ओर से यह सम्मान उनके संरक्षक गोपी गेलानी मनोहर डिगवानी (अध्यक्ष) विनोद गेलानी (प्रचार मंत्री) रंजीत सेनानी (कार्यकारिणी सदस्य) अशोक चांदवानी मनीष सदानी राजेश कोटवानी और अन्य सहयोगियों ने ग्रहण किया। इस सम्मान समारोह में संस्था के कार्यों को सराहा गया और उनकी समाज सेवा की भावना को अत्यधिक महत्व दिया गया। समारोह में कई अन्य प्रतिष्ठित समाजसेवियों ने भी संस्था को बधाई दी और उनके भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रभारी मंत्री से मिला चेंबर का प्रतिनिधि मंडल, 6 प्रमुख मांगपत्र सौपे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश: विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज सतना के पदाधिकारियों ने मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के कैबिनेट मंत्री और सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से सौजन्य भेंट की। इस दौरान चेंबर ने 6 प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की और संबंधित मांगपत्र सौंपे। चेंबर के अध्यक्ष सतीश सुखेजा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने विंध्य व्यापार मेला के आयोजन के लिए 8 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस भूमि का उपयोग व्यापार मेले के लिए किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा, टिंबर व्यापारियों के लिए शहर के बाहर टिंबर जोन स्थापित करने की मांग की गई। चेंबर के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में शहर के भीतर टिंबर व्यापारियों का संचालन शहर की सड़कों पर दबाव डालता है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न होती है। इस योजना के अंतर्गत टिंबर व्यापारियों को शहर से बाहर उचित स्थान पर स्थापित किया जा सकेगा। चेंबर के प्रतिनिधियों ने जिले में लागू होने वाली शासकीय गाइडलाइनों की विसंगतियों पर भी प्रभारी मंत्री को अवगत कराया।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को सीमेंट निर्माण श्रेणी में फ्लाई ऐश का उत्कृष्ट उपयोग करने के लिए सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को सीमेंट निर्माण श्रेणी में फ्लाई ऐश के उत्कृष्ट उपयोग (2026) के लिए मिशन एनर्जी फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान गोवा के व्हाइट वार्फ रिसॉर्ट में आयोजित तीन दिवसीय समारोह में दिया गया। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के प्रबंधक - मकैनिकल विभाग धनंजय कुमार सिंह ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह में मिशन एनर्जी फाउंडेशन के डायरेक्टर जनरल अश्विन कुमार खत्री के अलावा केंद्र और राज्य सरकार के ताप विद्युत संयंत्रों के प्रतिनिधि, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रतिनिधि और विभिन्न सीमेंट संयंत्रों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड, जो भारत की अग्रणी निर्माण सामग्री कंपनियों में से एक है, अपने पोर्टलैंड पोजोलाना सीमेंट में फ्लाई ऐश का स्मार्ट तरीके से उपयोग करती है। फ्लाई ऐश के इस उपयोग से सीमेंट उत्पादन में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और ऊर्जा की खपत में कमी आती है, जिससे यह पर्यावरण के लिए एक बेहतर विकल्प बनता है। कंपनी को यह सम्मान उसके टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल विनिर्माण प्रक्रियाओं के लिए मिला है। विशेष रूप से सीमेंट उत्पादन में फ्लाई ऐश का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले, टिकाऊ और मजबूत सीमेंट बनाने के लिए प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को मान्यता प्राप्त हुई है। फ्लाई ऐश का उपयोग सीमेंट उत्पादन की प्रक्रिया को और अधिक पर्यावरण मित्रवत बनाता है और इससे सीमेंट की गुणवत्ता में भी वृद्धि होती है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक श्री राकेश जैन ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों द्वारा किए गए बेहतर स्थायित्व और पर्यावरणीय लाभ प्रदान करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि यह सम्मान प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड को उसके टिकाऊ भविष्य के प्रति समर्पण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को मान्यता देने के रूप में प्राप्त हुआ है। कंपनी के डीजीएम सी.एस.आर. एंड पीआर, देवेन्द्र मिश्रा ने इस पुरस्कार और कंपनी के पर्यावरणीय दृष्टिकोण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

बदेरा थाना क्षेत्र में पुलिस पर बर्बरता के आरोप, दो मामलों ने खड़े किए गंभीर सवाल

मीडिया ऑडीटर, मैहर(निप्र)। मध्यप्रदेश: मैहर जिले के बदेरा थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली को लेकर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं। भदनपुर निवासी मुकेश साकेत के साथ कथित पुलिस मारपीट का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि आमातारा के रामभगत चौधरी का नया मामला सामने आ गया, जिससे इलाके में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पहला मामला भदनपुर निवासी मुकेश साकेत से संबंधित है, जिनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें इतनी बेरहमी से मारा कि उनका पैर बुरी तरह से टूट गया। पीड़ित के भाई राकेश साकेत ने बताया कि पुलिस की पिटाई से उनके भाई के पैर की हड्डी कई टुकड़ों में टूट गई। इस मामले की शिकायत सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक ने दो पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया, लेकिन थाना प्रभारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जो इस मामले को और गंभीर बना रहा है। इसी बीच, आमातारा निवासी रामभगत चौधरी का मामला भी तूल पकड़ चुका है। रामभगत ने शपथ पत्र जारी कर पुलिस पर मारपीट और हाथ तोड़ने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए रामभगत को शराबी बताते हुए कहा कि होली के दौरान पुलिस पेट्रोलिंग कर रही थी, और पुलिस को देखकर भागने के दौरान उनका हाथ टूट गया। दोनों मामलों के सामने आने के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या मैहर पुलिस अधीक्षक इन आरोपों की निष्पक्ष जांच करवा पाएंगे, या फिर यह मामला भी पूर्व में चर्चित रेडियम पट्टी कांड की तरह केवल लाइन हाजिर की कार्रवाई तक सीमित रह जाएगा। वहीं पीड़ित परिवारों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके। आम लोगों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि जब आम नागरिक पर अपराध का आरोप लगता है तो पहले मुकदमा दर्ज होता है और फिर जांच होती है, लेकिन पुलिस पर आरोप लगने के बावजूद कार्रवाई स्पष्ट क्यों नहीं हो रही है। यह मामला अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन चुका है और जनता में गहरी नाराजगी है। लोगों का मानना है कि यदि पुलिस पर आरोप लगने के बावजूद कार्रवाई नहीं होती है, तो इससे पुलिस की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।

नई कार्यकारिणी को विजयवर्गीय ने पढ़ाया विनम्रता का पाठ बोले- पद मिला है तो कॉलर खड़ी न करें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जिला भाजपा की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने सभी को विनम्रता और जिम्मेदारी से काम करने की सीख दी। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि जब हमें कोई जिम्मेदारी मिलती है, तो हमें अपनी कॉलर खड़ी नहीं करनी चाहिए, बल्कि और अधिक विनम्र होकर काम करना चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों को अधिकारियों से अनावश्यक रूप से न उलझने की सलाह दी। विजयवर्गीय ने कहा कि सरकार अपनी है, इसलिए अधिकारियों से जबरदस्ती न भिड़ें। यदि कोई अधिकारी बात नहीं सुनता है, तो जिलाध्यक्ष को बताएं, और यदि वे फिर भी नहीं मानते तो हम ठीक करेंगे। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि गाड़ी पर पद की नेम प्लेट लगने के बाद पुलिस से उलझना नहीं चाहिए। प्रभारी मंत्री ने पार्टी के उन कार्यकर्ताओं की भी सराहना की जो पर्दे के पीछे रहकर देश के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग न कभी सरपंच बने, न सांसद या विधायक, और न ही बनना चाहते हैं। विजयवर्गीय ने विश्व हिंदू परिषद, विद्यार्थी परिषद और सेवा भारती का उदाहरण देते हुए बताया कि ये संगठन पर्दे के पीछे रहकर सेवा कर रहे हैं और पार्टी की विचारधारा के मतदाताओं को तैयार कर रहे हैं।

96 हजार का नशीला सिरप जब्त, कार से मिला माल यूपी से ला रहे थे 2 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोठी पुलिस ने एक कार से 96 हजार रुपये से अधिक का नशीला कफ सिरप जब्त किया है। मंगलवार को एक ऑटो को टक्कर मारकर भाग रही इस कार से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टीआई संतोष तिवारी ने बताया कि मंगलवार को चित्रकूट रोड पर ठाडी-पाथर के पास एक तेज रफ्तार कार (एमपी 19 जेडपी 1900) ने एक ऑटो को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई। सूचना मिलने पर पेट्रोलिंग टीम ने घेराबंदी कर कार को कोठी के पास रोक लिया। कार की तलाशी लेने पर पिछली सीट पर एक बोरी में 478 शीशी नशीला कफ सिरप बरामद हुआ। जब्त सिरप की कीमत 96 हजार 317 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने कार चालक मोहम्मद खुर्शीद (28 वर्ष, निवासी जवान सिंह कॉलोनी, कोलगवां) और निखिल राजवानी (25 वर्ष, निवासी धवारी, सिटी कोतवाली) से सिरप की खरीद और परिवहन संबंधी दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई वैध कागजात पेश नहीं कर पाए।

चलती बस आग का बनी गोला, हाइवे पर स्लीपर कोच के ड्राइवर-हेल्पर ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। नादन देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-30 पर मंगलवार रात तकरीबन 10:15 बजे एक भीषण हादसा हुआ है। कटनी से रीवा की ओर जा रही जय भवानी ट्रेवल्स की बस (एमपी 30 पी 7070) में अचानक आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते पूरी बस लोहे के ढांचे में तब्दील हो गई। बस में सवार ड्राइवर और दो हेल्परों ने खिड़की-दरवाजों से कूदकर अपनी जान बचाई। इंजन से उठा धुआं और भड़क उठी लपटें बस के परिचालक लाला तिवारी के अनुसार, जब वे भेड़ा गांव के पास पहुँचे, तो उन्हें इंजन से धुआं निकलता दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत बस को सड़क किनारे खड़ा किया और हेल्परों की मदद से बोनट खोलकर देखने की कोशिश की। लेकिन बोनट खोलते ही ऑक्सीजन मिलते ही आग की लपटें बाहर की ओर भड़क गईं। कुछ ही सेकंडों में पूरी बस आग के गोले में तब्दील हो गई। कल हुआ था ब्रेकडाउन, खाली थी बस नादन देहात थाना प्रभारी रेनू मिश्रा ने बताया कि यह बस रीवा से इंदौर के बीच चलती है। एक दिन पहले सोमवार को रीवा से इंदौर जाते समय कटनी के पास सेमरा गांव में इस बस का ब्रेकडाउन हो गया था। तब सभी सवारियों को दूसरी बस में शिफ्ट कर दिया गया था। कटनी में सुधार कार्य (रिपेयरिंग) कराने के बाद ड्राइवर और दो हेल्पर इस खाली बस को वापस रीवा लेकर जा रहे थे। चूंकि बस में एक भी यात्री नहीं था, इसलिए बड़ी जनहानि होने से बच गई। फायरब्रिगेड के पहुँचने तक खाक हो चुकी थी बस ड्राइवर ने घटना की जानकारी तुरंत डायल 112 को दी।

मैहर में पराली जलाने पर प्रतिबंध, किसानों को 15 हजार रुपए जुर्माना लगेगा कलेक्टर ने दिए आदेश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में गेहूं और धान की कटाई के बाद खेतों में पराली जलाने पर प्रशासन सख्त हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रानी बाटड ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले में पराली जलाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले किसानों पर 15 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। प्रशासन के अनुसार, पराली जलाने से न केवल जान-माल का खतरा होता है, बल्कि इसके गंभीर पर्यावरणीय नुकसान भी हैं। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं वातावरण में प्रदूषण बढ़ाता है और श्वसन संबंधी बीमारियों का कारण बनता है। आग की गर्मी से मिट्टी के लाभदायक सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है। अक्सर पराली की आग बेकाबू होकर आसपास की खड़ी फसलों और बस्तियों तक भी पहुंच जाती है। इतना लगेगा जुर्माना प्रशासन ने पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में जुर्माने की राशि निर्धारित की है। दो एकड़ से कम जमीन पर 2,500 रुपए, दो से पांच एकड़ जमीन पर 5,000 रुपए और पांच एकड़ से अधिक जमीन पर 15,000 रुपए प्रति घटना का जुर्माना लगाया जाएगा। गश्त की जाएगी कलेक्टर ने कंबाइन हार्वेस्टर संचालकों के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिले में चलने वाले सभी हार्वेस्टर में सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रॉ रीपर/बेलर का होना अनिवार्य है। इन मशीनों के बिना कटाई करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारियों, पटवारियों और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त करने और कहीं भी धुआं दिखने पर तत्काल पंचनामा बनाकर जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पराली जलाने के बजाय उसका उपयोग पशु चारा या जैविक खाद बनाने में करें। इससे मिट्टी का स्वास्थ्य भी बना रहेगा और किसान कानूनी कार्रवाई से भी बच सकेंगे।

घर में घुसकर चाकू से किए थे वार, युवक पर हमला करने वाले 3 आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना सिटी कोतवाली क्षेत्र के मुख्त्यारगंज में हुई, जहां आरोपियों ने घर में घुसकर युवक पर चाकू से हमला किया था। पुलिस के अनुसार, यह घटना 9 मार्च की शाम करीब 7:30 बजे हुई। 25 वर्षीय अमित उर्फ अंबू पुत्र उमा प्रताप सिंह अपने घर की तीसरी मंजिल पर सो रहा था। तभी ऋषभ उर्फ अटरा (निवासी नंदहा, थाना नागौद), विपिन उर्फ मोदी (19 वर्ष, निवासी उतैली, थाना कोलगवां), गौरव मिश्रा, सनिल सिंह उर्फ सनी और एक अन्य व्यक्ति अचानक घर में घुस गए। आरोपियों ने अमित पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित को पहले जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में रीवा रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पीड़ित के प्राथमिक बयान के आधार पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आरोपी ऋषभ और विपिन को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।